डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG,5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

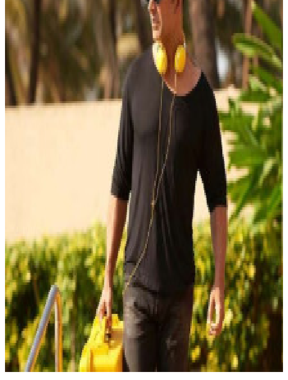

PG,8

सिनेमः अक्षय कुमार ने पुलवामा में शहीद हुए जवानों को याद कर दी श्रद्धांजलि

वर्ष -07 अंक -340 प्रयागराज, मंगलवार 15 फरवरी, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

जब विदेशी शासकों द्वारा किए जा रहे आर्थिक शोषण के खिलाफ देश उठ खड़ा था

हालांकि स्वदेशी का विचार 1905 से पूर्व देश के कुछ भागों तक ही सीमित था, लेकिन स्वदेशी विचार अथवा स्वदेशी दर्शन इस देश के लिए कोई नया नहीं है। 1905 से पूर्व ही दादाभाई नौरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले, महादेव गोविंद राणाडे, बाल गंगाधर तिलक, गणेश विनायक जोशी आदि ने भारतीय राष्ट्रवाद को बढ़ावा देने का काम प्रारंभ कर दिया था, जिसे प्रथम स्वदेशी आंदोलन कहा जा सकता है। ब्रिटिश सरकार ने बंगाल के विभाजन की घोषणा की तो देशभर में इस फैसले के खिलाफ रोष की एक लहर चल पड़ी। उस निणर्य के खिलाफ 7 अगस्त, 1905 को (कलकत्ता के टाउन हाल में पहली बार) विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार और स्वदेशी के प्रयोग के आह्वान के साथ स्वदेशी के राजनैतिक आंदोलन का सूत्रपात हुआ। लंदन इवनिंग न्यूज की 1 सितंबर, 1905 की रिपोर्ट में कहा गया था कि मारवाड़ी चेंबर आफ कामर्स ने मैनचेस्टर चेंबर आफ कामर्स को तार दिया है। जिसमें लिखा है कि- 'मैनचेस्टर के माल की बिक्री लगभग बंद हो गई है। यदि सेक्रेटरी आफ स्टेट विभाजन को वापिस नहीं लेते और बायकाट बंद नहीं होता है, तो वे बिल्कुल बर्बाद हो जाएंगे और भविष्य में कोई सौदे-समझौते नहीं कर पाएंगे। मामला बड़ा गंभीर है और तीन चार दिन के भीतर विभाजन की निषेधाज्ञा जारी नहीं की जाती है, तो 'पूजा' के निमित्त बनाया हुआ सारा माल बिके बिना रह जाएगा, 'लकी सेल' का आयोजन असंभव हो जाएगा, कृपया हमारी सहायता करें।'

देश में थम रही कोरोना की रफ्तार, मौत के आंकड़ों में भी आई बड़ी गिरावट, जानें 24 घंटे में कितने आए केस

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामलों में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के 34,113 नए मामले सामने आए हैं। यह कल के आंकड़ों से लगभग 20 फीसद कम हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इस दौरान 91,930 लोग ठीक हो गए जबकि 346 लोगों की मौत भी हुई। मौत के आंकड़े में यह एक बड़ी गिरावट है। कल कोरोना से 684 लोगों ने जान गवाई थी। देश में कोरोना के एक्टिव मामले में लगातार कम हो रहे हैं। कोरोना के एक्टिव केस घटकर अब 4,78,882 हो गए हैं। वहीं, पॉजिटिविटी दर भी घटकर 3.19 फीसद हो गई है। इसके अलावा कोरोना से अब तक 5,09,011 लोग अपनी जान गंवा चूके हैं।

पीएम मोदी की पंजाब रैली से पहले बड़े किसान नेता घरों में नजरबंद रातोंरात पुलिस ने घेरे कई गांव

जालंधर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जालंधर के पीएपी ग्राउंड में होने वाली रैली से पहले पंजाब पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने प्रधानमंत्री का विरोध करने वाले किसान नेताओं को उनके घरों में ही नजरबंद कर दिया है। पुलिस ने सोमवार को तड़के विभिन्न गांवों में नाकेबंदी करके उनके घर से बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। भारतीय किसान यूनियन राजेवाल के यूथ प्रधान अमरजोत सिंह ज्योति निवासी जंडियाला मंजकी ने तड़के ही वीडियो जारी कर पुलिस की ओर से सुबह ही गांवों में नाकाबंदी कर किसान नेताओं को घरों में नजरबंद करने के बारे में बताया है। किसानों से मिली जानकारी के अनुसार, दोआबा किसान संघर्ष कमेटी के नेताओं को किशनगढ़ और भोगपुर तथा जंडियाला मंजकी के अलावा अन्य गांवों में नजरबंद कर दिया गया है। यहां बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर पूरे इलाके को सील कर दिया गया है। घरों से किसी भी व्यक्ति को बाहर नही निकलने दिया जा रहा है। वीडियो में अमरजोत सिंह ज्योति ने कहा कि जत्थेदार कश्मीर सिंह जंडियाला

की अगुआई में किसानों को पीएम नरेंद्र मोदी की रैली का विरोध करने के लिए प्रदर्शन करना था, लेकिन उन्हें ऐसा करने से रोका गया है। दोआबा किसान संघर्ष कमेटी के नेता बलविंदर सिंह मल्ली के गांव में पुलिस ने घेराबंदी की हुई है। इसी तरह किसान नेताओं व यूनियन के सदस्यों को घरों में ही नजरबंद किया है। इसके अलावा गांवों से लोगों पर भी सख्ती की जा रही है। अमरजोत सिंह ज्योति ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार किसानों के साथ धक्केशाही कर रही है और गांवों के आम लोगों को भी बेवजह परेशान किया जा रहा है उधर, संयुक्त किसान मोर्चा के सदस्य मुकेश चंद्र ने बताया कि उनके घर गांव रानी भट्टी में भी तड़के से पुलिस अधिकारी व जवान पहुंचे हुए हैं। किसी को बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। रविवार रात को ही उनके घर पुलिस आ गई थी। उन सबको अपनी मांगों को लेकर पीएम मोदी को काला झंडा दिखाकर रोष व्यक्त करना था। राज्य सरकार ने किसान नेताओं को नजरबंद कर लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास किया है। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी है कि किसानों के साथ धक्केशाही करने के मामले को लेकर संघर्ष करेंगे। दोआबा किसान वेलफेयर कमेटी के प्रधान हरसुलिंदर सिंह ने भी उनके गांव की नाकाबंदी करने की बात कही है।

वीर सपूत : क्रांतिकारी वारींद्र घोष ने स्वाधीनता के लिए समर्पित कर दिया अपना जीवन

नई दिल्ली। वारींद्र घोष 12 वर्ष के थे, तभी उनके माता-पिता का देहांत हो गया। उसके बाद बड़ौदा में अपने बड़े भाई श्री अरविंद घोष के पास जाकर पढ लगे। श्री अरविंद महाराजा कालेज बड़ौदा में प्राध्यापक होने के साथ क्रांतिकारी

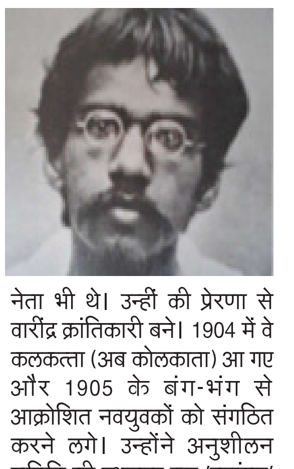

नेता भी थे। उन्हीं की प्रेरणा से वारींद्र क्रांतिकारी बने। 1904 में वे कलकत्ता (अब कोलकाता) आ गए और 1905 के बंग-भंग से आक्रोशित नवयुवकों को संगठित करने लगे। उन्होंने अनुशीलन समिति की स्थापना कर 'युगांतर' नामक पत्र का प्रकाशन शुरू किया और क्रांति की शुरुआत कर दी। अनुशीलन समिति की गुप्त गतिविधियां ढाका और कलकत्ता से संचालित हो रही थीं। कलकत्ता में युगांतर ने क्रांति की मशाल जला दी, इसलिए अंग्रेज सरकार ने इसके संपादक भूपेंद्रनाथ दत्त को देशद्रोह के आरोप में जेल भेज दिया। 'संध्या' और 'वंदेमातरम' पत्रों के संपादकों को भी जेल में डाल दिया गया। कलकत्ता का चीफ रेजीडेंसी मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड इन कारनामों और वंदेमातरम बोलने वालों को कोड़े मारने की सजा देने के लिए कुख्यात था 1907 में किंग्सफोर्ड को ठिकाने लगाने की योजना बनी। 14-15 किशोर और नवयुवक इसके लिए तैयार थे। वारींद्र ने अस्त्र-शस्त्र जुटाना आरंभ कर दिया। मजिस्ट्रेट किंग्सफोर्ड को कलकत्ता से मुजफ्फरपुर (बिहार) भेज दिया गया। उसे वहां जाकर मारने का जिम्मा खुदीराम बोस व प्रफुल्ल चाकी ने लिया, लेकिन इस प्रयत्न में भी किंग्सफोर्ड बच गया और पकड़े जाने पर दोनों नवयुवकों को शहादत देनी पड़ी थी। इसके बाद अंग्रेजी सरकार ने धरपकड़ शुरू कर दी। क्रांतिकारियों पर अत्याचार बढ़ गया। 2 मई, 1908 को कलकत्ता तथा देवघर में चार स्थानों पर छापा मारकर 41 क्रांतिकारियों को पकड़ लिया गया। इसके पूर्व फरवरी 1908 में बम का परीक्षण करते समय प्रफुल्लचंद्र चक्रवर्ती दिवंगत हो गए थे। 30 अप्रैल, 1908 को मुजफ्फरपुर में बग्घी पर बम फेंका गया था और खुदीराम व प्रफुल्ल चाकी फरार हो गए थे, तब तलाशी व धरपकड़ तेज हो गई थी। यही अलीपुर बम केस कहलाता है, जिसमें श्री अरविंद और वारींद्र घोष सहित 38 लोगों पर मुकदमा चला।

मणिपुर : कारगिल युद्ध में शहीद सेना के जवान युमनाम कलेशोर कॉम के घरवालों से मिले राजनाथ सिंह, साथ में खाया खाना

इंफाल। मणिपुर विधानसभा चुनाव के चलते केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को राज्य के दौरे पर हैं। यहां उन्होंने लांगथबल में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान केंद्रीय मंत्री कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सेना के जवान स्वर्गीय युमनाम कलेशोर कॉम के घर भी गए। यहां उन्होंने युमनाम कलेशोर कॉम के परिवार के लोगों से मुलाकात की और उनके आवास पर दोपहर का भोजन भी किया।

सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल केजेएस ढिल्लो बोले- पाकिस्तानी सेना, आईएसआई और पाक के आतंकी संगठन मिलकर करते हैं काम

नई दिल्ली, एएनआइ। साल 2019 के पुलवामा हमले के समय श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर में 15वीं कोर की कमान संभालने वाले लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केजेएस ढिल्लों ने कहा कि जहां तक सवाल पाकिस्तान की ओर से हो रही घुसपैठ का है तो कोई

भी पाकिस्तानी सेना की मदद के बिना नियंत्रण रेखा को पार नहीं कर सकता है। पाकिस्तानी सेना, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और पाक के आतंकी संगठन एक साथ मिलकर काम करते हैं। केजेएस ढिल्लों ने कहा कि हमारे पास पाकिस्तान की मिलीभगत के पुख्ता सुबूत हैं। हमने गुलमर्ग सेक्टर में एलओसी पर पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा है। उनको पाक पोस्ट की मदद से एलओसी पर लाया गया था केजेएस ढिल्लों ने कहा कि सुरक्षा बलों ने पुलवामा हमले के 100 घंटे के भीतर ही जिम्मेदार आतंकियों के माड्यूल को खत्म कर दिया था। आतंकियों के माड्यूल में पाकिस्तानी कामरान भी शामिल था। उन्होंने यह भी कहा कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई के बाद आतंकी इस कदर डर गए थे कि कोई भी जैश-ए-मोहम्मद का नेतृत्व नहीं करना चाहता था। समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए केजेएस ढिल्लों पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगनाओं ने फोन करके आतंकवादियों से जैश-ए-मोहम्मद की कमान संभालने को कहा था लेकिन सुरक्षा बलों की कार्रवाई का खौफ ऐसा में आत्मघाती हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हो गए थे।

'गृहमंत्री पदक' के लिए गृह मंत्रालय ने मांगी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से सिफारिशें जानें कब हुई थी पुरस्कार की शुरुआत

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बलों के प्रमुखों के साथ-साथ केंद्रीय जांच एजेंसियों को 30 अप्रैल 2022 तक के लिए 'केंद्रीय गृह मंत्री मेडल फार एक्सीलेंस इन इन्वेस्टिगेशन' पुरस्कार के लिए उम्मीदवारों की सिफारिश करने का निर्देश दिया है। आदेश में कहा गया है कि 30 अप्रैल के बाद उम्मीदवारों के प्राप्त नामों पर विचार नहीं किया जाएगा। दरअसल, केंद्रीय जांच एजेंसियों, राज्यों या केंद्र शासित प्रदेशों के पुलिस बल के सदस्यों को यह पदक एक जांच में उत्कृष्टता के आधार पर दिया जाता है। इस पुरस्कार को देने की शुरुआत 2018 में तत्कालीन गृहमंत्री राजनाथ सिंह ने की थी। ये पुरस्कार अपराध की जांच के उच्च पेशेवर मानकों को बढ़ावा देने और जांच अधिकारियों द्वारा जांच में इस तरह की उत्कृष्टता को मान्यता देने के उद्देश्य से शुरु किया गया था। इस पदक का उद्देश्य पुलिसमिर्यों को प्रोत्साहित करना है। केंद्रीय गृह मंत्री पदक वर्ष 2022 के लिए सिफारिश इस वेबसाइट के माध्यम से हेड कांस्टेबल से लेकर पुलिस अधीक्षक तक के रैंक के अधिकारियों की सिफारिशों को आनलाइन जमा कराया जाता है। गृह मंत्रालय ने पोर्टलों से संबंधित किसी भी प्रशन के मामले में किसी भी तकनीकी सहायता के लिए 011-23094745 और प्रशासनिक सहायता के लिए 011-23093443 पर संपर्क करने का निर्देश दिया गया है।

कर्नाटक हाईकोर्ट ने आनलाइन गेमिंग पर रोक लगाने वाले प्रविधानों को किया रद, जानें अपने आदेश में क्या कहा

बेंगलुरू। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सोमवार को आनलाइन गेमिंग पर रोक लगाने वाले कर्नाटक पुलिस (संशोधन) अधिनियम 2021 के प्रविधानों को रद कर दिया। मुख्य न्यायाधीश रितु राज अवस्थी और न्यायमूर्ति कृणा एस दीक्षित की डबल बेंच ने अपने आदेश में कहा कि कर्नाटक अधिनियम संख्या 28/2021 के कुछ प्रविधान अधिकार क्षेत्र से बाहर जाकर बनाए गए थे। इसके चलते हम इन्हें रद कर रहे हैं हालांकि अदालत ने यह भी कहा कि यदि जुए के खिलाफ संविधान

के अनुरूप कोई नया कानून लाया जाता है तो वह विधायिका के फैसले के बीच में नहीं आएगी। इसके साथ ही अदालत ने प्रतिवादियों को आनलाइन खेल कारोबार में दखल देने से रोकने के लिए परमादेश की एक रिट जारी कर दी। मालूम हो कि कर्नाटक विधानसभा के मानसून सत्र में भाजपा की ओर से पुलिस कानून 1963 में परिवर्तन के लिए पुलिस (संशोधन) विधेयक 2021 पेश किया गया था। इस मसले पर भाजपा नेताओं की ओर से दावा किया गया था कि आनलाइन खेलों पर रोक लगाए जाने के लिए जो विधेयक पेश किया गया है वह आम आदमी के हित में है। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की ओर से पेश किए गए इस कानून में घुड़दौड़ को छोड़कर बाकी खेलों में दांव लगाने और सट्टेबाजी आदि शामिल थे। वहीं आनलाइन खेलों से जुड़ी कंपनियों की ओर से कहा गया था कि ऐसे कानून बेगलुरू शहर के भविष्य को चोट पहुंचाएंगे जो आनलाइन गेमिंग कंपनियों के हब के तौर पर उभर रहा है।

२०२२ गोवा में तीन बजे तक ६०.१८ फीसद वोटिंग, मतदान के लिए लोगों में दिख रहा उत्साह

नई दिल्ली। गोवा की सभी 40 विधानसभा सीटों पर सोमवार को मतदान शुरू हो चुका है। इसके साथ ही यहां पर वोटिंग के लिए माननीयों का आना भी शुरू हो गया है। सभी पार्टिंयों ने लोगों से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। मतदान को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक चौकस किया गया है। गोवा के गवर्नर ने मतदान की शुरुआत में ही अपनी पत्नी के साथ तलेइगाओ एसी, पीएस नंबर 15, डोना पाउला में वोट डाला। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र अर्लेकर ने अपनी पत्नी समेत गोवा विधानसभा चुनाव के लिए बैना निर्वाचन क्षेत्र 25- वास्को डी गामा में अपना वोट डाला। इसकी जानकारी राजभवन ने ट्वीट कर दी है। मतदान सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा। भारतीय चुनाव आयोग के अनुसार गोवा में दोपहर 3 बजे तक 60.18 प्रतिशत मतदान हुआ है। उत्तरी गोवा में 60.02 प्रतिशत मतदान हुआ, जबकि दक्षिण गोवा में 60.32 प्रतिशत मतदान हुआ। गोवा के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कुनाल ने बताया है कि माक ड्रिल के दौरान करीब 11 व्यापट मशीनों को बदला गया है जो कि एक सामान्य प्रक्रिया है। उहोंने उम्मीद जताई कि इस मताधिकार का प्रयोग कहा। इस मौके पर उन्होंने लोगों से अपील की है कि वो अधिक से अधिक संख्या में आकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने ये भी कहा

बार राज्य में रिकार्ड मतदान देखने को मिलेगा। उन्होंने लोगों से अपना मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। गोवा के सीएम प्रमोद सावंत ने कोटोम्बी गांव में अपने कि भाजपा सरकार का काम सभी के सामने है। उत्पल पर्रिकर (निर्दलीय) और माइकल लोबो (कांग्रेस) नहीं जीतेंगे, क्योंकि भाजपा बहुमत के साथ आ रही है।

सांसद प्रो जोशी ने भारतीय जनता पार्टी के कोरांव सुरक्षित विधान सभा 265 के भाजपा प्रत्याशी राजमणि कोल के समर्थन में किया जनसम्पर्क-कोरांव

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी।

प्रयागराज।आज दिनांक बारह फरवरी 2022 को इलाहाबाद सांसद कि मीडिया प्रभारी अभिषेक शुक्ला ने व्यक्ति जारी कर बताया कि इलाहबाद सांसद प्रो रीता बहुगुणा जोशी ने भारतीय जनता पार्टी के कोरांव विधान सभा के प्रत्याशी राजमणि कोल के समर्थन में जनसंपर्क किया। सर्वप्रथम हृदय प्रसाद मिश्र के आवास ग्राम गरगटा छापर पहुंचकर भाजपा प्रत्याशी राजमणि कोल के लिए बैठक कर क्षेत्र की जनता को देश एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए भारतीय जनता पार्टी को वोट करने के लिए अपील किया तत्पश्चात सांसद जोशी राम मणि मिश्र पूर्व बीडीसी ग्राम बसगड़ी के आवास पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में बैठक कर भाजपा के पक्ष में वोट डालने की अपील किया। सांसद जोशी आदिवासी बस्ती में जनसंपर्क करने के बाद ओंकार नाथ केसरवानी एवं उनकी पतनी जिला पंचायत सदस्य कोरांव श्रीमती कुसुन केसरवानी के आवास पर पहुंचकर भाजपा के प्रत्याशी राजमणि कोल के समर्थन में क्षेत्रीय

लोगों को भाजपा के पक्ष में वोट डालने की अपील किया। केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए सांसद जोशी ने कहा कि कोविड का टीका जिन लोगों ने नहीं लगवाया है वे टीकाकरण अवश्य कराएं। सांसद प्रोफेसर जोशी का काफिला खीरी में राकेश दिवीदी पूर्व जिला मंत्री किसान मोर्चा खीरी के आवास पर रुका जहां पर क्षेत्रीय लोगों को भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में वोट डालने हेतु बैठक किया। कोरांव के प्रधान देव मुनि चतुर्वेदी के आवास पर क्षेत्रीय जनता को भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में वोट करने की अपील किया। तत्पश्चात राकेश द्विवेदी पूर्व जिला मंत्री किसान मोर्चा खीरी के आवास पर पहुंचकर भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में बैठक किया। सांसद प्रोफेसर जोशी हरि कृष्ण तिवारी की पतने स्वर्गीय अंसुइया तिवारी के निधन के उपरांत उनके आवास बहरैचा कटघर कोरांव पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त किया तत्पश्चात बहरैचा कटघर के प्रधान शंकर दयाल तिवारी के आवास पर पहुंचकर क्षेत्रीय लोगों के साथ सभा कर योगी मोदी सरकार की उपलब्धियां बताते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राजमणि कोल के पक्ष में वोट डालने की अपील किया। सांसद प्रोफेसर जोशी के साथ मुख्य रूप से राजेश त्रिपाठी तुलसीदास राणा रामेश्वर द्विवेदी भाजपा यमुनापार के पूर्व जिला अध्यक्ष शिवदत्त पटेल राकेश पांडेय राजेश्वरी तिवारी हिंच नारायण पांडेय सदानंद मिश्रा अभिषेक शुक्ला विजय पुरस्वानी विजय मिश्रा एडवोकेट शिवशांत दीक्षित, मनु कक्कड़ एडवोकेट आदि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता गण मौजूद रहे।

फूलपुर के सपाइयों ने कस्बे की गली गली में किया जनसंपर्क, मांगे वोट

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर विधानसभा के सपा प्रत्याशी मोहम्मद मुजतबा सिद्दीकी के पक्ष में सपाइयों ने जिला

उपाध्यक्ष नसरुद्दीन राईन के नेतृत्व में मुख्य मार्ग से लेकर गली कूचे में सपा प्रत्याशी के लिए समर्थन मांगा। तीन बार के विधायक रहे पूर्व विधायक को चौथी बार अपने गृह नगर से विधायक बनाकर विधानसभा में भेजने का आवाहन किया। मौजूदा सरकार के विधायक का 5 साल का कार्यकाल फूलपुर विधायक का लोगो ने देखा है। अब परिवर्तन का समय आ गया है। सभासद अरशद उल्लाह ने कहा। कि फूलपुर में समाजवादी प्रत्याशी को मजबूती देने की जरूरत है। फूलपुर सीट सदैव से ही सपा की रही है। जिनका काम बोल रहा है। वर्तमान सरकार की टूटी गड्ढा मुक्त सड़के ही गवाह है। इस मौके पर अतीकउर रहमान टिंकू, शहजादे पहलवान, असलम राईन, कुमार मंगल, जावेद राईन, सोनू पांडेय, गुड्डू भाई आदि लोग मौजूद रहे।

गंभीरावस्था में प्रसव पीडिता को 108 एंबुलेंस से पहुंचाया गया अस्पताल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। प्रतापपुर के मालीपुर गांव निवासी कुसुम देवी पत्नी अवधेश मौर्या को सोमवार सुबह प्रसव पीड़ा के साथ हालत गंभीर हो गई। तो सूचना 108 एंबुलेंस को दी गई। सूचना पर पायलट जयप्रकाश एवं आईएमटी श्याम बहादुर ने तत्काल पीडिता को लाकर सीएचसी प्रतापपुर में भर्ती कराया। जहां आशा एवं महिला चिकित्सकों ने सुरक्षित प्रसव कराकर पीडिता की जान बचाई।

भागीदारी परिवर्तन मोर्चा प्रतापपुर द्वारा गिनाई गई अपनी कार्य योजना

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। भागीदारी परिवर्तन मोर्चा, जन अधिकार पार्टी, ए आई एम आई एम, बामसेफ भारत मुक्ति मोर्चा के नेताओं ने प्रतापपुर विधानसभा की संयुक्त प्रत्याशी मंजू मौर्या के पक्ष में प्रतापपुर केंद्रीय कार्यालय पर एक संवाददाता सम्मेलन में अपने मोर्चा का घोषणा पत्र सुनाते हुए कहा। कि वर्तमान सरकार में हर वर्ग किसान, व्यापारी, मजदूर, रेहड़ी, दुकानदार आदि त्रस्त हैं। बताया कि किसानों को खाद बीज की समस्या, छुट्टा पशुओं की समस्या, नई भर्तियों तथा शिक्षा मंदिरों का बंद रहना, चाहुओर समस्याओं का अंबार, बेरोजगारों को रोजगार आदि की समस्या पर प्रकाश डालते हुए मंजू मौर्या ने कहा। कि प्रतापपुर में बुनियादी समस्याओं सड़क, शिक्षा, बिजली, अस्पताल आदि जैसी समस्याओं के लिए मैं हर समय लड़ाई लड़ती रहूंगी। गठबंधन की राष्ट्रीय महासचिव सुषमा मौर्या ने कहा कि अब आने वाला समय बाबा साहब के विचारधारा को आगे बढ़ाने का है। पिछड़ा वर्ग दलित भाईचारा बनाकर काम किया जाएगा। विद्यार्थियों को रोजगार की जगह लाठीचार्ज किया जाता है। वर्तमान सरकार द्वारा समाज को चीथड़ा कर डाला गया है। उसको हम संयुक्त मोर्चा के लोग मिलकर रफू करेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में ए आई एम आई एम के हफीज अहमद संगठन मंत्री प्रतापपुर, मोहम्मद नईम अंसारी विधानसभा सचिव, मोहम्मद जुलकर नैन विधानसभा अध्यक्ष आदि लोगों ने बोला कि हमारी संयुक्त पार्टी से मंजू मौर्या को टिकट मिला है। हम लोग इन्हीं के साथ तन मन धन से लगकर प्रचार-प्रसार करके इनको जिताने का काम करते हुए विधानसभा में भेजने का काम करेंगे। कोई पार्टी कुछ कहे हम उसको नहीं मानेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से रिजवान, राकेश कुशवाहा, सत्येंद्र कुशवाहा, शैलेंद्र कुशवाहा, अलीशेर डॉक्टर मोहम्मद सलीम आदि लोग मौजूद रहे।

कृषि मशीनरी उद्योग में लाखो की चोरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के कोड़ापुर गांव में बेखौफ चोरों ने रात्रि में कृषि मशीनरी उद्योग का ताला तोड़कर चावल, धान,सरसो और अरसी सहित

बैटरी इनवर्टर आदि लगभग 2 लाख रुपए कीमत तक का सामान उठा ले गए जानकारी होने पर भुक्तभोगी के होश उड़ गए पीडित ने फूलपुर कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाई करने की मांग की पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है। फूलपुर कोतवाली क्षेत्र के कोड़ापुर गांव निवासी हरिप्रकाश दूबे पुत्र स्वर्गीय राम अकबाल दूबे रोजी रोटी के लिए गांव में ही घर के पास राइस मील,तेल स्पेलर सहित कृषि मशीनरी उद्योग लगाया है। भुक्त भोगी का आरोप है की बुधवार मध्यरात्रि को उक्त उद्योग में ताला बंद कर घर में सोने के लिए चले गए मध्यरात्रि के दौरान अज्ञात चोरों ने उक्त मशीनरी का ताला तोड़कर उसमें किसानों का रखा 4 कुंतल चावल,3 कुंतल धान,3कुंतल सरसो,और 2कुंतल आर्सी सहित इनवर्टर और बैटरी के साथ इलेक्रानिक मापतौल तराजू,और अन्य उपकरण सहित लगभग 2लाख रुपए तक की कीमत का सामान उठा ले गए गुरुवार सुबह जब भुक्तभोगी ने उठकर देखा तो उक्त मशीनरी का ताला टूटा और अंदर का सामान गायब देख उसके होश उड़ गए पीडित ने काफी खोजबीन के बाद कही पता न चलने पर फूलपुर कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाई की मांग की जिस पर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है ग्रामीणों का आरोप है की गांव के ही कुछ उच्चके लगातार गांव में चोरियो को अंजाम दे रहे है लेकिन स्थानीय पुलिस केवल खाना पूर्ति करके मामलो का खुलासा न करके ठंडे बस्ते में डाल देती है जिससे चोर उच्चके का मनोबल बढ़ता जा रहा है।

मड़वा-बिरपुर में उज्जवल रमण सिंह(260) के जनसंपर्क में उमड़ा जनशैलाब-जित का मिला भरोसा

प्रयागराज-करछना तहसील के अंतर्गत आने वाले करछना विधानसभा(260)चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी कई बार रह चुके करछना विधानसभा के विधायक एवं मंत्री उज्जवल रमण सिंह जी का कार्यक्रम मड़वा ग्रामसभा में मड़वा के पूर्व प्रधान अमर बहादुर सोनकर के देख-रेख में एवं रणजीत सोनकर (प्रबंधक) के नेतृत्व में जो अभी लंबे समय तक बहुजन समाज पार्टी में कार्य कर रहें जमीनी स्तर से जो तन,मन,धन लगाकर लोगों को जोड़ने का काम कियें थे आज ओ बहुजन समाज पार्टी को छोड़कर समाजवादी पार्टी में सैकडों पदाधिकारियों के साथ ज्वाईन करके कार्यक्रम एवं जनसंपर्क हजारों लोगों के बिच में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जहां पर समाजवादी पार्टी को जित का नारा देते हुयें उज्जवल रमण सिंह को करछना मे जरूरी बताते हुयें पूर्व प्रधान मड़वा अमर बहादुर सोनकर ने उज्जवल रमण सिंह एवं रणजीत सोनकर को माल्यार्पण कर स्वागत कर करछना से जिताकर विधानसभा तक पहुचाने का कार्य करछना के लोगों ने संकल्प लेते हुयें ठाना हैं। इसी माल्यार्पण के दौरान खटीक स्वराज संघ के राष्ट्रीय मीडीया प्रभारी-सत्य प्रकाश सोनकर,युवा नेता पंकज सोनकर ने उज्जवल रमण सिंह को माला पहनाकर स्वागत कियें। रणजीत सोनकर(प्रबंधक) ने अपने भाषण के दौरान वर्तमान सरकार भारती जनता पार्टी की कुरितियों को बताते हुये किस प्रकार वर्तमान सरकार भारत देश एवं उत्तर प्रदेश के नौजवानों,किसानों,बेरोजगारों एवं महिलाओं के हक व अधिकारियों को दबाया व कुचला जा रहा हैं इसको बताते हुयें महगांई पर भी निशाना साधते हुयें भारती जनता पार्टी को जड़ से निकाल फेकना है और संविधान को बचाने के लिये समाजवादी पार्टी को जिताना हैं। और आपको बता दें की रणजीत सोनकर (प्रबंधक) एवं अमर बहादुर सोनकर पूर्व प्रधान मड़वा के अगुवाई में करछना व अन्य विधानसभा के सोनकर समाज एवं अन्य समाज को एक धागे मे पिरोर कर समाजवादी पार्टी की ओर अपने को समर्पित करने के साथ अपने-अपने मत को समाजवादी पार्टी को देकर अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाना हैं। यही पर वर्तमान में रहे विधायक करछना उज्जवल रमण सिंह ने अपने भाषण के दौरान अपने विचार एवं समाजवादी पार्टी के विचारधाराओं को व्यक्त करते हुयें समाजवादी पार्टी सरकार की उपलब्धि को बताते हुये भारती जनता पार्टी ने किस तरह से सभी के हक व अधिकार को दमन कर देश के किसानो,मजदूरों, नौजवानों को जटने का काम किया हैं। उज्जवल रमण सिंह ने कहा की समाजवादी पार्टी की सरकार बनते ही दमन व दबे हुये सभी नौजवान, किसान,मजदूर एवं महिलाओं के अधिकारों को दिलाने के साथ महगांई पुर्णतः कम करूगां। इसी कड़ी के साथ उज्जवल रमण सिंह ने रणजीत सोनकर (प्रबंधक),अमर बहादुर सोनकर(पूर्व प्रधान मड़वा) एवं आये हुयें सभी कार्यकर्ताओं को तहे दिल से आभार व्यक्त करते हुये धन्यवाद अदा कर कई गावों मे भ्रमण करते हुयें जनसंपर्क कियें । इस कार्यक्रम में उपस्थित अमिताब, ब्लाकप्रमुख करछना प्रतिनिधि कमलेश द्विवेदी, मोहन लाल पूर्व प्रधान, दिनेश सोनकर वर्तमान प्रधान, अशोक यादव, धिरज,रंगबहादूर,कमलेश आदि लोग रहें।

थाना प्रभारी निरीक्षक सहित चौकी उपनिरीक्षक ने चौकी क्षेत्र बड़ोखर में कढ़ाई के साथ संदिग्ध लोगो से की पूछताछ और जन-मानस से किया अपील-कोराव

चौकी क्षेत्र बड़ोखर में थाना प्रभारी निरीक्षक राम आसरे यादव के साथ चौकी एसाई ने कई जगहो पर चलाया चेकिन्ग अभियान अवैध तस्करो को भी चिन्हित किया जाएगा एवं जन-मानस से भी मुलाकात कर ली जानकारी-राम आसरे यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी।

कोरांव प्रयागराज।कोरांव थाना क्षेत्र अन्तर्गत चौकी बड़ोखर में थाना प्रभारी निरीक्षक राम आसरे यादव व चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने कई जगह पर संदिग्ध ब्यक्तियो से कढ़ाई के साथ की पुछताछ और दिए दिशा निर्देश।थाना प्रभारी निरीक्षक ने जन-मानस से अपील करते हुए कहा कि आप लोग निर्भीक होकर मतदान करे किसी भी अराजकतत्वो ब्यक्तियो के द्वारा परेशान किया जा रहा हो तो हमें तत्काल हमारे दुरभाष नम्बर पर सुचित करे।जिससे सुचारू रूप से

2022 विधान सभा चुनाव सकुशल सम्पन्न करा सकूं।थाना अध्यक्ष ने चौकी बड़ोखर में पहुंचकर डायल 112 नम्बर के अभिलेखो का किया निरीक्षण और दिए दिशा निर्देश।जानकारी अनुसार थाना प्रभारी निरीक्षक राम आसरे यादव ने चौकी उपनिरीक्षक शिवेन्द्र प्रताप सिंह के साथ बैठक कर पुलिस बल को भी दिए निर्देश। थाना प्रभारी ने कहां कि किसी भी प्रकार का अपराधी एवं अपराधियो को बख्शेगे नही सलाखो के पीछे भेजा जाएगा।आम जन मानस की सुरक्षा व्यवस्था को देखते हुए पहली प्राथमिकता पर निस्तारण होगा।गलत लोगो को छोड़ूगा नही माहौल बिगाड़ने वाले को भी चिन्हित किया जाएगा। थाना प्रभारी निरीक्षक राम आसरे यादव ने कहा कि कोरांव थाना क्षेत्र की जनता को हमारे द्वारा न्याय मिलेगा।और गलत ब्यक्तियो के साथ कोई समझौता नही होगा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.**प्रमाण पत्रः-** सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। 2.**चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। 3.**आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। 4.**आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। 5.आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। 6.**कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। 7.**छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। 8. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। 9.**दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

बढ़ा जलस्तर, खरीद-दरौली पीपा पुल के दो नाके जलमग्न

सिकंदरपुर (बलिया) । सरयू नदी के जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि से रविवार को तहसील क्षेत्र के खरीद व दरौली के मध्य बने पीपा पुल के दो नाके पूरी तरह जलमगन हो गए हैं। यही नहीं तेज धार की वजह से इन नाकों का 60 प्रतिशत से अधिक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो चुका है। इस कारण लोगों को आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया है। यही नहीं क्षतिग्रस्त नाके बड़े हादसे को आमंत्रित कर रहे हैं। स्थानीय लोगों की माने तो इसकी वजह नदी जल में स्तर में असमय व अचानक हुई वृद्धि है। दो दिन पूर्व तक स्थिति एकदम सामान्य थी। लोग पीपा पुल के सहारे सहजता से आवागमन कर रहे थे। इसी बीच शुक्रवार की रात से जलस्तर बढ़ना शुरू हो गया और इसकी गति शनिवार की रात में तेज हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो दो दिन में लगभग तीन फीट जलस्तर बढ़ चुका है। इसकी वजह से नदी के कुछ हिस्से में आवागमन हेतु रेत पर बिछाए गए प्लेट पानी में डूब गए। जबकि

आवागमन नहीं रोके जाने से दरौली घाट की तरफ निर्मित पुल के उत्तरी व दक्षिणी दोनों नाके क्षतिग्रस्त हो गए। लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की लापरवाही की वजह से वाहन चालक विवशता में क्षतिग्रस्त नाकों के माध्यम से जान हथेली पर रख कर अभी भी आवागमन कर रहे हैं। उधर ठेकेदार ने लोकनिर्माण विभाग के जेई व एई पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते लोकनिर्माण विभाग धन उपलब्ध करा दिया होता और कुछ ट्राली मिट्टी गिरा दी गई होती और यह स्थिति नहीं बनती। उधर खरीद के पूर्व प्रधान त्रिलोकी यादव ने बताया कि एक तो दो महीने देर से पीपा पुल का संचालन शुरू कराया गया। लेकिन पूरा संसाधन अभी तक उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। जबकि डब्लू यादव, मुन्नेलाल यादव व पूर्व जिला पंचायत सदस्य रवि यादव ने बताया कि अगर नाके से दो और पीपे जोड़ दिए गए होते तो यह परेशानी नहीं होती।

30 वर्ष बाद 20.4181 हेक्टेयर बढ़ा जंगल क्षेत्र

आजमगढ़। हरियाली से ही जीवन है। पौधे धरा के श्रृंगार हैं। इनसे प्राण वायु मिलती है। इनको लगाना व बचाना चाहिए। यह बात जिले के लोगों ने बखूबी समझ ली है। तभी तो जिले में हरियाली का दायरा बढ़ा है। पिछले 30 साल बाद जिले का जंगल क्षेत्र 20.4181 हेक्टेयर बढ़ गया है। इससे जंगल में रहने विचरण करने वाले जीव-जंतुओं का दायरा 110.40 हेक्टेयर हो जाएगा। वन विभाग की कब्जे वाले 44.9909 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। धारा-20 का नोटिफिकेशन(अधिसूचना) जारी होने के बाद जिले में जंगल के क्षेत्रफल में वृद्धि हो जाएगी। लगभग 30 वर्षों में पांच टुकडों में बंटे जंगल का क्षेत्रफल 65.409 हेक्टेयर था।

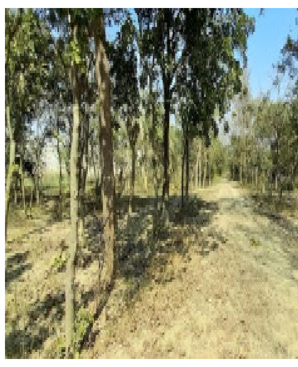

धारा चार के नोटिफिकेशन के बाद 44.9909 हेक्टेयर का क्षेत्रफल शामिल होने के बाद दायरा बढ़कर 110.40 हेक्टेयर हो गया है। लेकिन वन विभाग के पूरी तरह कब्जे के लिए शासन के अंतिम नोटिफिकेशन का इंतजार है। वर्तमान समय में इन जंगलों अजगर ही देखने को मिलते हैं। ग्रामीण अंचल में अक्सर मिलने वाले अजगर भी इन्हीं जंगलों में छोड़े जाते हैं। भीखमपुर 9.084 हेक्टेयर। पिछले 30 वर्षों में जंगल क्षेत्र का विस्तार नहीं हुआ था। लेकिन कई वन क्षेत्रों में धारा-चार के प्रकाशन के बाद 44.9909 हेक्टेयर क्षेत्रफल और कब्जे में आ गया है। शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। नोटिफिकेशन के बाद यह जंगल क्षेत्र की भूमि पूरी तरह वन विभाग की हो जाएगी।

लग्जरी कार से पांच लाख रुपये व चुनाव सामग्री बरामद

आजमगढ़ । अतरौलिया थाना क्षेत्र के नाऊपुर गांव के पास उड़नदस्ता ने शनिवार देर चेकिग के दौरान जिला पंचायत सदस्य के बेटे अंकित के वाहन से पांच लाख रुपये व एक पार्टी की प्रचार सामग्री बरामद किया है। इस गाड़ी में चालक सहित दो लोग बैठे थे। उड़नदस्ता ने धनराशि व प्रचार जांच की। वाहन से पांच लाख रुपये व काफी संख्या में प्रचार सामग्री बरामद हुई। प्रचार सामग्री पर मुद्रक प्रकाशन का नाम नहीं था। वाहन से बरामद धनराशि के बारे में पूछताछ पर वाहन चालक कादिर निवासी सरैया व अंकित कुमार निवासी अतरैठ ने कोई कागजात नहीं दिखाए और न ही उत्तर दे सके। इस पर टीम ने वाहन को कब्जे में लेकर थाने को सौंप दिया। अंकित एक जिला पंचायत सदस्य के बेटे हैं। एसडीएम बूढ़नपुर नवीन कुमार ने बताया कि उड़नदस्ता ने चेकिग के दौरान पांच लाख रुपये व चुनाव सामग्री को बरामद किया गया है। वाहन को सीज करते हुए धनराशि व चुनाव सामग्री को थाने को सुपुर्द कर

सामग्री को जब्त करते हुए पुलिस व कोषागार को सूचना दे दी है। लग्जरी वाहन को सीज कर दिया गया है। उड़दस्ता में शामिल सहायक विकास अधिकारी रामाशीष अपने सहयोगी गोपाल मौर्य व बजरंगी यादव के साथ वाहन चेकिग कर रहे थे। इसी बीच एक लग्जरी कार को रोककर टीम ने दिया गया है। धनराशि बरामदगी की सूचना कोषागार को दी गई है। अतरौलिया थाना प्रभारी रमेश कुमार ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। रुपये के बारे में संतोषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करने पर लौटाया जाएगा।

फेफना में सड़क उखाड़कर फिर से शुरू हुई मरम्मत

फेफना (बलिया) । राष्ट्रीय राजमार्ग-31 की मरम्मत में लापरवाही सामने आने के बाद अब नए सिरे से काम किया जा रहा है। निर्माण के दूसरे दिन सड़क की गिट्टियां उखड़ने लगीं। दैनिक जागरण के 12 फरवरी के अंक में इसकी खबर प्रकाशित हुई। इसके बाद कार्यदायी एजेंसी ने रविवार को बनी सड़क को उखाड़ने का काम शुरू कराया। इससे जनता में खुशी छा गई। एनएच-31 की हालत वर्षों से खराब है। किसी तरह मरम्मत का कार्य शुरू होने से लोगों ने राहत की सांस ली, लेकिन उनकी उम्मीदों को फिर से झटका लग गया। बुधवार को काम शुरू होने के बाद दूसरे दिन ही सड़क की गिट्टियां उखड़ने लगीं। मानक के अनुरूप कार्य न होने से क्षेत्रवासियो में तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं। उनमें रोष व्याप्त हो गया। एनएचएआइ ने एक माह पहले मरम्मत के लिए तीन भाग में टेंडर किया है। इससे पहले पुरानी कंपनी का टेंडर निरस्त कर दिया था। अब तीन कंपनियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। गाजीपुर से फेफना तक 60 किलोमीटर का कार्य एसआरएससी इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, फेफना से चिरैया मोड़ तक 45 किलोमीटर महादेव कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और चिरैया मोड़ से मांझी घाट के जयप्रभा सेतु तक 16 किलोमीटर जगदंबा इंटरप्राइजेज को कार्य करना है। कार्य समाप्त करने की अवधि जून 2022 है। एनएच-31 के निर्माण के लिए 81 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इससे 130 किलोमीटर में मरम्मत होगी।

1.93 करोड़ से बनी पानी टंकी में रिसाव गहराया जल संकट

रसड़ा (बलिया) । स्थानीय विकास खंड के ग्रामसभा अठिला में वर्ष 2017 में नीर निर्मल परियोजना के तहत एक करोड़ 93

लाख की लागत से बनाई गई पानी टंकी मात्र एक माह के बाद रिसाव के चलते बंद कर दी गई। लगभग चार वर्ष बाद भी इस टंकी को चालू नहीं कराया जा सका है। इसके निर्माण में मानको की अनदेखी की कई बार शिकायतें करने के बाद भी इसकी जांच नहीं कराई गई। ग्रामीणों की मानें तो दोयम दर्जे की छड़, ईंट व पाइप लगा दी गई। इसका विरोध भी हुआ लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। इस पानी टंकी के ठीक बगल में प्राथमिक विद्यालय है। लगभग 6500 की आबादी वाले अठिला गांव में चौरा, बरहिमा, कुडियारी, बबुरीवन, गौरापार आदि मौजे व मोहल्ले हैं। गांव की अधिकांश बस्तियों तक आज तक पाइप नहीं पहुंच सकी है जबकि पाइप लगाने के नाम पर लाखों रुपये उतार जरूर लिए गए हैं। गांव के जयप्रकाश यादव ने कहा कि इस टंकी के नाम पर भारी गोलमाल किया गया है। इसके चलते शुरुआत से ही रिसाव होने लगा। ओमप्रकाश ने कहा कि टंकी को यदि दोबारा चालू कर दिया जाए तो सैकड़ों परिवारों को शुद्ध जल नसीब हो सकेगा। हरिकेश राम ने कहा कि पानी रिसाव के बाद सप्लाई बंद कर डायरेक्ट पानी देने का कार्य शुरू हुआ कितु पाइप जगह-जगह फूट गई। धर्मेंद्र कुमार व रामनाथ ने कहा कि चार वर्ष बाद भी बंद टंकी का चालू नहीं हो पाना विभागीय भ्रष्टाचार व लापरवाही को उजागर करता है जाए तो कई जिम्मेदार बेनकाब हो जाएंगे। टंकी को एक साल पहले ग्राम पंचायत को हैंडओवर कर दिया गया था। उसकी निगरानी जल समिति करती है। इसमें विभाग की ओर से कुछ नहीं किया जा सकता है।

टिकाकारण शिविर का उठाया 100 से अधिक लोगो ने लाभ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। यूफोरिएल यूथ सोसाइटी और जेम शाइन फाउंडेशन के संयुक्त तत्त्वधान मे 14 फरवरी को जायसवाल धर्मशाला, मुट्ठिगंज में कोविड-19 टिकाकरण शिविर का आयोजन किया गया आज के समय में भी काफी ऐसे गरीब तबके के लोग हैं, जिन्होंने आज तक किसी न किसी डर के कारण अपना टिकाकरण करवाने से बचते फिर रहे और तो और औरो को भी गलत जनकारी फैला रहे हैं। हमने आज इन गरीब तबके के लोगों को बुला

के एक साथ कोविड-19 टिकाकरण के बारे में जागरूक किया एवं उनकी अनेक भ्रांतिया दूर की। इस कोविड-19 टिकाकरण शिविर में 100 से अधिक बच्चों एवं बड़ों ने हिस्सा लेकर इसका लाभ उठाया और टिका लगवाया। इस शिविर में मनोज कुमार त्रिपाठी (एन. ओ. डफरिन एवं यूफोरिएल यूथ सोसाइटी के मेडिकल ऑफिसर), कंचन सिंह (ए. एन. एम.), और नर्सिंग स्टाफ रेणु गुप्ता, सुभद्रा देवी, करिश्मा कुशवाहा,पुष्पांजलि कुशवाहा, ममता देवी एवं यूफोरिएल यूथ सोसाइटी के अध्यक्ष देवेश जायसवाल, उपाध्यक्ष अनीश पांडे, पी. आर. ओ. जगजीत सिंह उर्फ गगन अथवा जेम शाइन फाउंडेशन की अध्यक्षा रश्मि जायसवाल, आर्यन जायसवाल, रौनक जायसवाल, अभिलाश केसरवानी, विकास चौरसिया मौजूद रहे एवं इस शिविर को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

आज से खुलेंगे सभी स्कूल पढ़ाई के नुकसान की करेंगे भरपाई

बलिया । कोरोना संक्रमण कम होने के बाद अब सभी स्कूल सोमवार से खुल जाएंगे। अभी तक स्कूल बंद होन के कारण विद्यार्थियों को आनलाइन पढ़ाया जा रहा था। अब विद्यार्थियों को की क्षमता के अनुसार 50 प्रतिशत विद्यार्थियों को बैठाया जाएगा। सभी विद्यालयों को सैनिटाइज कराने को भी कहा गया है, लेकिन परिषदीय विद्यालयों में एक दिन पहले कोई गतिविधि नहीं देखी गई।

भौतिक रूप से कक्षाओं में पढ़ने आना होगा। शिक्षक पढ़ाई के नुकसान की भरपाई करेंगे।मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। पिछले सप्ताह कक्षा नौ से लेकर इंटरमीडिएट तक के माध्यमिक स्कूल, विश्वविद्यालय और डिग्री कालेजों को खोलने का फैसला लिया गया था। कक्षाओं जिले में 2250 परिषदीय विद्यालय हैं।इसमें पढ़ने वाले बच्चों की संख्या लगभग 3.13 लाख है। इसके अलावा सीबीएसई बोर्ड से जुडे जिले में लगभग 42 विद्यालय हैं। सभी विद्यालय आज से खुल जाएंगे। सभी विद्यालयों में मास्क अनिवार्य किया गया है। सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों व कर्मचारियों को मास्क लगाना होगा। स्कूल के मुख्य द्वार पर हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। यहां इंफ्रा रेड थर्मामीटर, पल्स आक्सीमीटर इत्यादि की मदद से कोरोना के लक्षण वाले विद्यार्थियों को चिन्हित किया जाएगा। स्कूल परिसर में सैनिटाइजेशन और साफ-सफाई के पुख्ता इंतजाम करने को कहा गया है। कोरोनारोधी वैक्सीन के चलते कोरोना का खतरा कम हुआ है। किशारों को जनवरी से टीका लगाया जा रहा है। जिले में 227224 किशारों को टीका लगाने का लक्ष्य शासन स्तर से निर्धारित किया गया था। इसके सापेक्ष 169620 किशोरों को टीका लगाया जा चुका है। इससे स्कूलों में अब छोटे बच्चों को छोड़कर 15 से 17 साल के सभी 74 फीसद किशोरों को टीका लगाया जा चुका है। 18 प्लस के 1636380 युवाओं को टीका लगाने का लक्ष्य था, इसके सापेक्ष 1535413 यानी 93 फीसद युवाओं को भी टीका लगाया जा चुका है। कोरोना गाइडलाइन के अनुसार विद्यालय खोले जाने हैं। इसके लिए आदेश जारी कर दिए हैं। विद्यालय परिसर की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। कर्मचारी, शिक्षक और विद्यार्थी मास्क पहन कर विद्यालय आएंगे।

लापता बच्चे का शव बरामद, हत्यारा चढ़ा पुलिस के हत्थे

आजमगढ़ । रानी की सराय थाना क्षेत्र के जगरनाथ सराय गांव से दो दिन पूर्व लापता मासूम का बोरे में भरा शव रविवार भोर में

पड़ोसी के घर से पुलिस ने बरामद कर लिया। साक्ष्य संकलन के दौरान आरोपित पुलिस को कोठिया रेलवे लाइन के पास ले गया। वहां छिपाकर रखे गए तमंचे से पुलिस पर आरोपित ने फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में वह घायल हो गया। उसके बाएं पैर में गोली लगी है। घायल आरोपित को जिला अस्पताल से बीएचयू ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया है। किसी बवाल की आशंका पर गांव में फोर्स तैनात कर दी गई है। जगरनाथ सराय निवासी कुनाल (5) पुत्र अवधेश राम 11 फरवरी की शाम अन्य बच्चों के साथ घर के पास खेलते समय रहस्यमय ढंग से गायब हो गया था। परिवार के लोग खोजबीन कर रहे थे। अवधेश ने रात 10 बजे घटना की सूचना पुलिस को दी थी। शनिवार को पीड़ित पिता ने पुलिस को बताया कि उसके मोबाइल पर वाट्सएप के माध्यम से पैसे की मांग की जा रही है। पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने इसे गंभीरता से लेते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर के नेतृत्व में टीम गठित करने के साथ खुद भी पीड़ित परिवार से मिलकर घटना पूरी जानकारी ली। विवेचना के दौरान प्रकाश में आए मनीष कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके नाना की वर्ष 2011 में हत्या कर दी गई थी। जिसका बदला लेने के लिए वह बच्चे को टाफी देने के बहाने घर में ले गया और गला दबाकर मार डाला। उसके बाद बोरे में भरकर शव को बारजे पर छिपा दिया। इस मामले में तीन और लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

गंगा किनारे किसानों को मिलेगी जैविक खेती की संजीवनी

बलिया । जिले में गंगा का बहाव क्षेत्र लगभग 90 किलोमीटर है। गंगा के तटवर्ती किसान साल में केवल रबी की फसल का उत्पादन कर पाते हैं। बाढ़ के कारण अधिकांश किसानों को खरीफ की खेती का लाभ नहीं मिल पाता है, लेकिन सरकार ने बजट में गंगा

किनारे पांच से सात किमी के दायरे में जैविक खेती के लिए किसानों को जोड़ने को प्रावधान किया है। इसके लिए किसानों को अनुदान भी मिलेगा। इस व्यवस्था से जिले के लाखों किसानों को फायदा होगा। दो लाख 99 हजार 265 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाले बलिया के 73.38 प्रतिशत यानी दो लाख 19 हजार 599 हेक्टयर भूभाग पर खेती की जाती है। इसमें खरीफ की फसलें एक लाख 61 हजार 651 हेक्टेयर तथा रबी की एक लाख 80 हजार 518 हेक्टयर में की जाती है। राष्ट्रीय किसान मोर्चा के पूर्व अध्यक्ष और जिले के सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि देश में मात्र 35 फीसद भूभाग पर ही साल में दो फसल का उत्पादन हो पाता है। अब खेती योग्य सौ फीसद भू-भाग पर किसान साल में दो फसल का उत्पादन करेंगे। जिले में भी यही तस्वीर है। गंगा के तटवर्ती इलाके में किसान केवल रबी की खेती करते हैं, लेकिन अब खेती का तरीका बदलने की हमारी तैयारी है। बलिया में 475385 किसान परिवार हैं, इसमें गंगा किनारे के पांच से सात किमी के दायरे में किसानों को जैविक खेती से जोड़ा जाएगा। किसानों से गोबर की भी खरीद होगी। उससे जैविक खाद तैयार होगा। फसल की बोआई और सिचाई के पैटर्न को बदला जाएगा। इसके लिए किसानों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। किसानों के उत्पादों की बिक्री अच्छे दाम में हो, इसकी व्यवस्था भी की जाएगी। जिले में नमामी गंगे योजना से गंगा किनारे स्थित सोहांव, दुबहड़, बेलहरी, बैरिया व मुरलीछपरा सहित 41 राजस्व गांवों में 20-20 हेक्टेयर के कुल 60 कृषक समूहों का गठन किया गया है। ये कृषक समूह पांच से सात किमी के अंदर गांवों में बिना रासायनिक खाद प्रयोग किए जैविक खेती करना शुरू किए हैं। जिला कृषि उप निदेशक इंद्राज ने बताया कि इन किसानों को प्रति हेक्टेयर प्रथम वर्ष 12 हजार, द्वितीय वर्ष 10 हजार और तृतीय वर्ष 9 हजार के अनुदान दिए जा रहे हैं।

शिया महासचिव पहुंचे प्रयागराज

प्रयागराज। आल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास पहुंचे प्रयागराज के दरियाबाद। जहाँ पर

कर्नाटक हिजाब मामले में मीडिया से की बात चीत। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को नकाब पहनने पर पाबंदी लगाई जा रही है। जो सरासर गलत है। एक अकेली मुस्लिम छात्रा को पचासों भगवाधारी गुण्डों ने भगवा झंडा लहराते हुए। जय श्री राम के नारे लगाते हुए। उसे घेरने की कोशिश की। लेकिन बहादुर बेटी ने बड़ी हिम्मत के साथ डटकर नारे तकबीर अल्लाहु अकबर की नारा लगाते हुए। निडरता के साथ सबको पीछे छोड़ दिया। जो काबिले तारीफ है। मैं भी उस छात्रा की बहादुरी की तारीफ करता हूँ। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान जैसे मुल्क में सभी को जीने का हक है। चाहे वह जिस धर्म व जाति का क्यों ना हो। लेकिन सिर्फ मुस्लिमों को टारगेट क्यों किया जा रहा है। जनेव और पगड़ी पर भी रोक लगनी चाहिए। मौलाना यासूब अब्बास ने उत्तर प्रदेश के सियासी हालात पर बोलते हुए कहा कि हम लोग हमेशा इंसानियत के नाते लोगों का साथ देते आ रहे है। मैं कोई सियासी इंसान नही हूँ। उत्तर प्रदेश में जिसकी भी सरकार बनेगी उसका स्वागत करेंगे।

डाक मतपत्र हेतु सहायक रिटर्निंग आफिसर नामित नामित

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों के मतदेय स्थल पर नियुक्त मतदान कार्मिकों को डाक मतपत्र के माध्यम से मत दिये जाने की सुविधा प्रदान की जानी है।इन कार्यो को संपादित करने के लिए सहायक रिटर्निंग ऑफीसर नामित कर दिए गए हैं। उन्होने बताया कि प्रशिक्षण स्थल संत ए0 इण्टर कालेज में जनपद के सभी सातों विधानसभाओं हेतु फैसिलिटेशन सेन्टर बनाया गया है जहाँ पर द्वितीय चरण के प्रशिक्षण हेतु आये मतदान कर्मियों द्वारा सम्बन्धित विधानसभा के फैसिलिटेशन सेन्टर पर डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान किया जाना है। जिलाधिकारी ने विधानसभावार डाक मतपत्र हेतु सहायक रिटर्निंग आफिसर को नामित कर दिया है। उन्होंने सहायक रिटर्निंग आफिसर के रूप में विधानसभा रामपुरखास हेतु बीडीओ लालगंज अश्विनी कुमार सोनकर,बाबागंज अ0 जा0हेतु बीडीओ बाबागंज जितेन्द्र कुमार, कुण्डा हेतु बीडीओ कालाकांकर अपर्णा, विश्वनाथगंज हेतु बीडीओ मानधाता अरूण कुमार, प्रतापगढ़ हेतु बीडीओ सण्ड़वा चन्द्रिका, पट्टी हेतु बीडीओ पट्टी राम प्रसाद व रानीगंज के लिए बीडीओ गौरा धीरेन्द्र कुमार तिवारी को नामित किया है। उन्होने नामित सहायक रिटर्निंग आफिसर को निर्देशित किया है कि दिनांक 15 फरवरी से 22 फरवरी तक प्रशिक्षण स्थल संत एन्थोनी इण्टर कालेज पर अपने विधानसभा से सम्बन्धित फैसिलिटेशन सेन्टर पर उपस्थित रहकर मतदान कार्मिकों का पहचान कर प्रपत्र 13ए (सत्यापन प्रपत्र) पर वांछित विवरण का उल्लेख कर सत्यापन का कार्य करेगें। प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ता की उपस्थिति में मतपेटिका को सील करेगें तथा मतपेटी सील किये जाने की प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करायेगें। मतदान की समाप्ति के बाद मतपेटिका प्रत्याशियों/निर्वाचन अभिकर्ता की उपस्थिति में खोला जायेगा तथा मतपत्र से सील्ड लिफाफे (13सी) की गिनती कर उसे बड़े लिफाफे में रखा जायेगा। बड़े लिफाफे को सील्ड कर समस्त विरण एनेक्जर-01 तैयार किया जायेगा। एनेक्जर-01 पर सम्बन्धित सहायक रिटर्निंग आफिसर अपने हस्ताक्षर बनाकर एक प्रति जिला निर्वाचन कार्यालय को प्रेषित करेगें। डाक मतपत्र से सील्ड लिफाफा प्रत्येक दिवस को मतदान की समाप्ति के बाद जिला कोषागार के डबल लॉक में संरक्षित करायेगा। डाक मतपत्र से सम्बन्धित लेखा रजिस्टर एनेक्जर-26 में सम्पूर्ण विवरण अभिलिखित करवाया जायेगा तथा मतदान के समाप्ति के बाद प्रत्येक दिवस को अप्रयुक्त मतपत्र निर्वाचक नामावली प्रशिक्षण स्थल में बने स्ट्रांग रूम में रखवाया जायेगा।

चौकी प्रभारी ने चलाया चेकिन्ग अभियान-शिवेन्द्र प्रताप सिंह

(आधुनिक समाचार सेवा)
संजय द्विवेदी

कोरांव (प्रयागराज)। 2022 विधान सभा को देखते हुए वाहनो की विधिवत चेकिन्ग कर दिए दिशा निर्देश।चौकी उपनिरीक्षक शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि आप लोग आचार संहिता का पालन करे।अपराध एवं अपराधियो को बख्शा नही जाएगा।चौकी एसाई ने गांव गांव जाकर लोगो से अपील किया कि निर्भीक एवं भय मुक्त से होकर मतदान करे। जन-मानस से उन्होंने कहा कि अगर कोई भी अपराध किस्म का ब्यक्ति दबाव बना रहा हो तो हमे तत्काल बताए।जिसे सलाखो के पीछे भेजा जा सके।चौकी उपनिरीक्षक ने लोगो से अपील करते हुए कहा कि आम जन मानस की सुरक्षा करना हमारा दायित्व है।किसी भी अपराधियो को छोडूगा नही चौकी क्षेत्र बड़ोखर को अपराध मुक्त क्षेत्र

साबित होगा।गलत लोगो के लिए चौकी क्षेत्र बड़ोखर में जगह नहीं है।उन्हे जेल में ही रहना पडेगा।जानकारी अनुसार चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शिवेन्द्र प्रताप सिंह ने जब से बड़ोखर चौकी में कार्यभार संभाले हुए है तब से ही बड़ोखर क्षेत्र की जनता ने खुसहाल नजर देखा जा रहा है।बड़ोखर क्षेत्र की जनता को सही न्याय दिलवाने का कार्य कर रहे।और बड़ोखर चौकी क्षेत्र की जन-मानस ने चौकी इजार्ज पर खुशी जाहिर किया।चौकी प्रभारी ने कई ग्राम पचायतो में दौरा किया।जिसमें ग्राम पंचायत बडोखरा,मैलहा,भगेसर अरुआरी,भोगन,मालीपुर आदि और साथ में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

पुरानी रंजिश में मारपीट, चार पर केस दर्ज

हलिया (मीरजापुर) । देवरी बाजार निवासी जोखन प्रसाद ने शुक्रवार देर शाम थाने में तहरीर देकर चार लोगों के खिलाफ मारपीट का मुकदमा दर्ज कराया है। प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने मंडलीय अस्पताल में रेफर कर दिया। पीड़ित ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर गांव के राजेश, पप्पू, रामेश्वर, जगेश्वर मेरे घर पर चढ़कर गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। बचाव करने के लिए पतनी आशा को भी चारों ने मारपीट कर घायल कर दिया। थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

विवाहिता की मौत मामले में पति सहित तीन गिरफ्तार

चुनार (मीरजापुर) । भौरही गांव में शुक्रवार को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई विवाहिता की मौत के आरोप में मृतका के पिता की तहरीर पर दहेज हत्या का मुकदमा पुलिस ने दर्ज कर लिया। पुलिस ने बस स्टैंड के पास से मृतका के पति, देवर व ससुर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। कोतवाल गोपाल प्रसाद गुप्ता ने बताया कि तीनों आरोपित शनिवार को कहीं भागने की फिराक में चुनार बस स्टैंड पर खड़े थे। इसकी जानकारी होते ही पुलिस ने पति नरेंद्र सिंह, देवर शैलेंद्र सिंह, ससुर राधेश्याम सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया। शुक्रवार को भौरहीं गांव निवासी संध्या सिंह (31) का शव अबूझहाल में पंखे से लटकता हुआ मिला था। घटना के बाद अहरौरा थाना क्षेत्र के अतरौली कला निवासी मृतका के पिता रमाशंकर सिंह ने मामले में तहरीर देकर पति समेत छह के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था। पिता का आरोप है कि ससुराल वालों ने दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करते थे।

यहां जर्जर नाव से होती है खतरनाक यात्राएं

ओबरा (सोनभद्र) । रेणुकापार के कई इलाके आज भी आवागमन करना काफी कठिन है। कुछ जलमार्ग जनपद के सबसे बड़े जलमार्गों में हैं। पिछले पांच दशकों से इन जलमार्गों पर नाव से खतरनाक यात्राएं जारी है। यहां चलने वाली ज्यादातर नावें काफी जर्जर हैं। जर्जरता के कारण दो वर्ष पहले भोडार में नाव डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुरानी हो रही नाव से लगातार खतरा बना हुआ है। ऐसे में अब तमाम नाव के नवीनीकरण की जरूरत महसूस की जा रही है। फिलहाल ओबरा डैम में 60 के करीब नाव चलती है। जिनमें लगभग सभी नाव एक से लेकर तीन दशक पुरानी हैं। क्षेत्रों के लिए परिवहन की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण नाव से चलना मजबूरी है। ऐसे में तटवर्ती क्षेत्र के नाविकों को नाव उपलब्ध कराना चाहिए। कई मार्ग हैं काफी लंबे पिछले पांच दशक से ओबरा डैम में आधा दर्जन से ज्यादा जलमार्ग बन गए हैं।

जर्जर सड़कों से होकर मतदान करने जाएंगे मतदाता

मीरजापुर । जिले की एक दर्जन से अधिक सड़कें खराब हैं। लोग जर्जर सड़कों से सफर करने के लिए विवश हैं। बड़ी बात तो यह है कि इस बार मतदाता जर्जर सड़कों से ही मतदान करने के लिए बूथ पर जाएंगे। गत पांच साल से लोगों ने सड़क बनाने की मांग लोक निर्माण विभाग से की लेकिन विभागीय अधिकारियों ने इसपर ध्यान नहीं दिया। विधानसभा चुनाव सिर पर है। सड़कों की बात की जाए तो नगर से लेकर ग्रामीण इलाके तक की ज्यादातर सड़कें खराब है। कागजों पर तो लालगंज व हलिया सहित अन्य सड़के बन गई लेकिन हकीकत में आज भी उनपर गड्ढे है। जर्जर सड़कों का जाल नगर सहित कई क्षेत्रों में फैला है। जो पिछले पांच सालों से दुरूस्त नहीं हो पाया। इनको बनाने के लिए न विभाग ने ध्यान दिया न ही जनप्रतिनिधियों ने प्रयास किया। इससे आम जनता सड़कों पर चलने के लिए मजबूर है। सबसे अधिक खराब स्टेशन रोड, इमामबाड़ा, विध्याचल रोड, नटवां रोड, धौरूपुर गांव, राजापुर की सड़कें हैं।

दूल्हा की कार को टक्कर मारने के बाद दुकान में घुसी कार

ओबरा (सोनभद्र) । शुक्रवार देर रात एक कार ओबरा-बग्घा नाला मार्ग पर सुभाष तिराहे के पास दूल्हे की कार सहित तीन वाहनों को धक्का मारते हुए एक दुकान में जा घुसी। कार के धक्के से एक गाय को घसीटते हुए कार ने चोपन रोड पर खड़ी टीयूवी 10 को टक्कर मार दी। इसके बाद एक आई 10 कार एवं बरात में आई दूल्हे की कार को टक्कर मार दिया। इस टक्कर के बाद कार का एयर बैग खुल गया।

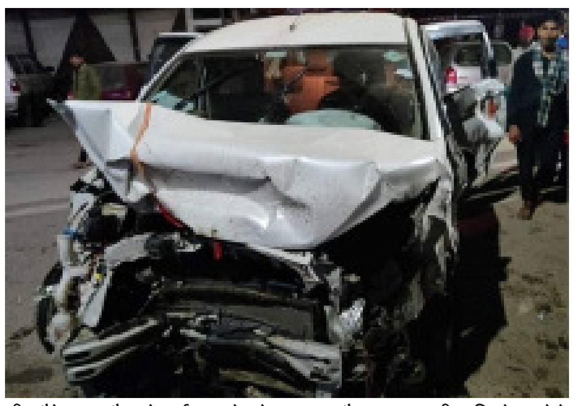

की मौके पर मौत हो गई। धक्के से बिजली के कई पोल क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने नशे में धुत आरोपित चालक सहित कार सवार तीन अन्य को हिरासत में ले लिया है। देर रात आजाद नगर में आयोजित एक बहूभोज से जितेंद्र वर्मा पुत्र अमरजीत वर्मा निवासी चूड़ी गली एर्टिगा कार चलाकर चोपन रोड से सुभाष तिराहे की ओर तेज गति में आ रहा था। सुभाष तिराहे से लगभग 200 मीटर पहले जितेंद्र का कार से नियंत्रण खत्म हो गया। तिराहे से लगभग 70 मीटर पहले कार ने गाय को जोरदार टक्कर मारी। लगभग 10 मीटर तक गाय इस दौरान कार की गति तेज होने के कारण विद्युत पोल से टकराते हुए दीपक जायसवाल की गुमटी को तोड़ते हुए पनन लाल जैन के किराने की दुकान में जा घुसी। टक्कर में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।हालांकि एयरबैग की वजह से कार सवारों को ज्यादा चोट नहीं आई। घटना से चोपन रोड पर अफरा तफरी मच गई। मौके पर मौजूद लोगों ने कार चालक सहित तीन अन्य युवकों को पकड़ पुलिस के हवाले कर दिया। किराना दुकान के मालिक गौरव जैन की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी।

एनटीपीसी के एमडी ने सिंगरौली विद्युत गृह का लिया जायजा

अनपरा (सोनभद्र) । एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह एवं अन्य अधिकारियों ने सिगरौली विद्युत गृह का दौरा किया। सीएमडी ने विद्युत गृह की प्रचलन प्रणालियों का निरीक्षण कर रख-रखाव सहित अबाध विद्युत उत्पादन के लिए निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में कहा कि यह गर्व का विषय है कि एनटीपीसी सिगरौली परियोजना गत 40 वर्षों से निर्बाध विद्युत उत्पादन कर देश को रोशन कर रही है। एनटीपीसी सिगरौली विद्युत उत्पादन मे देश की सर्वश्रेष्ठ परियोजनाओं में शुमार है। हर घर को रोशन करने के संकल्प को साकार करने के लिए निरंतर कार्य करते रहना है। एनटीपीसी देश में विश्वसनीयता का प्रतीक बन चुकी है। सरकार के अपेक्षाओं के अनुरूप निरंतर विकास कर रही है। उन्होंने प्लांट विजिट के दौरान एफजीडी क्रशर हाउस के सिविल कार्य का शुभारंभ किया। ट्रैक हापर, सुरक्षा पार्क सहित प्लांट के विभिन्न यूनिट एवं महत्वपूर्ण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। परियोजना प्रमुख बसुराज गोस्वामी ने आभार व्यक्त करते हुए उनके कुशल मार्ग दर्शन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्हें विश्वास दिलाया कि सिगरौली परियोजना देश एवं समाज के हित में अपना सर्वोच्च योगदान करती रहेगी। इस अवसर पर रमेश बाबू वी, निदेशक देवाशीष सेन, क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, एके त्रिपाठी, कार्यकारी निदेशक एमके श्रीवास्तव, सी शिवकुमार ने विद्युत गृह कि उपलब्धियों की सराहना करते हुए सुरक्षा,पर्यावरण, प्रचालन के मानकों के अनुरूप कार्य प्रणाली को सुढ़ करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित कर रही साइकिल लाइब्रेरी

सागोबांध, सोनभद्र । कोरोना काल में बच्चों की शिक्षा प्रभावित न हो इसलिए शिक्षक घर-घर जाकर बच्चों को पढ़ा रहे हैं। शिक्षक मोहल्ला क्लास के साथ ही साइकिल लाइब्रेरी के माध्यम से बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। भारत सरकार के निपुण भारत मिशन के तहत चला जा रहे 100 दिन के रीडिग कैंपेन के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। भारत सरकार के निपुण भारत मिशन के तहत 100 दिन का रीडिग कैंपेन चलाया जा रहा है। इस मिशन के तहत परिषदीय शिक्षकों द्वारा मोहल्ला क्लास चलाया जा रहा है, साथ ही साइकिल लाइब्रेरी के द्वारा मोहल्ले मोहल्ले भ्रमण कर शिक्षक बच्चों को पढ़ा रहे है। बताते चलें कि परिषदीय विद्यालय कोरोना संक्रमण में वृद्धि के कारण 25 दिसंबर से ही बंद है। ऐसे में बच्चों की पढ़ाई पूर्ण रूप से बाधित न हो इसके लिए निपुण भारत मिशन के तहत 100 दिन का रीडिग कैंपेन चलाया जा रहा है, जिससे बच्चों की पढ़ाई की कुछ हद तक भरपाई की जा सके। इस मिशन को सफल बनाने के लिए शिक्षक गांव में जाकर मोहल्ला क्लास व एक नवाचार के तहत साइकिल लाइब्रेरी के द्वारा बच्चों को पढ़ाने का कार्य कर रहे हैं। म्योरपुर ब्लाक के कंपोजिट विद्यालय सागोबांध व प्राथमिक विद्यालय विश्रामपुर के शिक्षकों द्वारा साइकिल लाइब्रेरी द्वारा मोहल्ले मोहल्ले में घूम कर बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस तरह के पठन-पाठन की तकनीक से बच्चे व अभिभावक बहुत खुश दिखाई दे रहे हैं।

13 उम्मीदवारों ने खरीदा 23 नामांकन पत्र

सोनभद्र। विधानसभा चुनाव के लिए शुक्रवार को दूसरे दिन भी किसी प्रत्याशी ने नामांकन नहीं किया। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चल रही नामांकन प्रक्रिया के दौरान दूसरे दिन चारों विधानसभा सीटों के लिए कुल 16 लोगों ने 26 नामांकन पत्र खरीदा। अपर जिलाधिकारी राकेश सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने नामांकन स्थल पर सुरक्षा का जायजा लिया। नामांकन प्रक्रिया के दूसरे दिन रिटर्निंग आफिसर घोरावल रमेश कुमार ने बताया कि आठ उम्मीदवारों ने 15 नामांकन पत्र खरीदा। इसमें समाजवादी पाटी के प्रतिनिधि चार सेट में, बहुजन समाज पार्टी के प्रतिनिधि ने चार सेट में, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने दो सेट में, जन अधिकार मंच ने एक सेट, मूल निवासी अधिकार पार्टी ने एक सेट में, भारतीय राष्ट्रीय वादी ने एक सेट व एक-एक निर्दलीय लोगों ने नामांकन पत्र लिया। रिटर्निंग आफिसर राबर्ट्सगंज राजेश कुमार सिंह ने बताया कि तीन लोगों ने तीन सेट में नामांकन पत्र लिया। इसमें

समाजवादी पार्टी ने एक सेट में, राष्ट्रीय कांग्रेस ने एक सेट में व एक निर्दलीय ने एक सेट में नामांकन पत्र लिया। रिटर्निंग आफिसर ओबरा जैनेंद्र सिंह ने बताया कि ओबरा के लिए दूसरे दिन किसी ने भी नामांकन पत्र नहीं लिया। रिटर्निंग आफिसर दुद्धी प्रमोद तिवारी द्वारा बताया कि पांच लोगों ने आठ सेट में नामांकन पत्र लिया। इसमें समाजवादी पार्टी ने तीन सेट में, आजाद समाज पार्टी (भीम) ने एक सेट में, गोंड़वाना गंणतंत्र पार्टी ने एक सेट में व एक अन्य व्यक्ति ने दो सेट में व एक व्यक्ति ने एक सेट में नामांकन पत्र लिया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने निरीक्षण सीसीटीवी कैमरे के संचालन, नामांकन प्रक्रिया के ड्यूटी में लगे कार्मिकों आदि के संबंध में जानकारी ली। उधर सुरक्षा के लिए वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग से कलेक्ट्रेट तक फोर्स डटी रही। कलेक्ट्रेट जाने वाले प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा की दृष्टि से जांच की जा रही थी। इस अपर पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, डिप्टी कलेक्टर आकाश कुमार सहित अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

वाहनों की सघन जांच, 4.08 लाख जब्त

सोनभद्र । रविवार को राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लोढ़ी टोला प्लाजा के पास पुलिस ने एक कार में सवार चार लोगों के पास से चार लाख आठ हजार रुपये बरामद किया। कार सवार लोगों के कोई साक्ष्य न दे पाने पर पुलिस ने संपूर्ण धनराशि जब्त कर ली। के पास से 55 हार, अमन जैन निवासी अंबिकापुर के पास से एक लाख 90 हार तथा जयशंकर यादव निवासी बलिया के पास से 53 हार रुपए बरामद किए गए। पकड़े गए लोग धनराशि के बारे में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं कर सके। इसके बाद धनराशि जब्त कर लिया गया। पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक एसएन मिश्र, चुर्क चौकी इंचार्ज जितेंद्र कुमार, हिंदुआरी चौकी इंचार्ज संजीव कुमार राय, एसआई छेदी सिंह शामिल रहे। इस बीच पुलिस प्रशासन ने विधानसभा चुनाव में आचार संहिता अनुपालन कराने के मद्देनजर सतर्कता और

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट है। रविवार को राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के लोढ़ी टोला प्लाजा के पास क्षेत्राधिकारी राजकुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस वाहनों की जांच कर रही थी। सीओ ने बताया कि जांच में कार सवार अशोक कुमार निवासी करमा के पास से 56 हार, राजेश यादव निवासी करमा के पास से 54 हार, शिवशंकर चौहान निवासी बलिया बढ़ा दी है। जांच के दौरान यातायात नियमों का अनुपालन न करने वाले कई वाहनों का चालान किया गया। कुछ अन्य वाहनों को सीज करने की कार्रवाई की गई। उधर एसपी ने निर्देश जारी कर कहा कि कोई भी व्यक्ति निर्धारित नियमों से अधिक धनराशि लेकर गमनागमन करता है तो उसे अपने पास धनराशि से संबंधित संपूर्ण कागजात दिखाना होगा वरना धन जब्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

जिले की सभी सीटों पर बसपा ने घोषित किए प्रत्याशा

मीरजापुर । बहुजन समाज पार्टी ने जिले के सभी पांचों विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी। राष्ट्रीय महासचिव मेवा लाल गौतम द्वारा जारी सूची के अनुसार छानबे सुरक्षित सीट पर धनेश्वर गौतम, मीरजापुर से राजेश कुमार पांडेय, मझवां से पुष्पलता बिद, चुनार से विजय सिंह पटेल और मड़िहान सीट पर नरेंद्र सिंह कुशवाहा पार्टी के प्रत्याशी होंगे। धनेश्वर गौतम वर्ष 2017 में भी बसपा से विधानसभा चुनाव लड़ चुके हैं। राजेश पांडेय व्यापारी हैं। पुष्पलता बिद बीते दो वर्ष से चुनाव की तैयारी कर रही हैं और नामांकन भी कर चुकी हैं। वहीं विजय सिंह पटेल कांग्रेस का दामन छोड़कर बसपा में शामिल हुए हैं। वह पहली बार चुनाव लड़ रहे हैं। नरेंद्र कुशवाहा वर्ष 2004 में मीरजापुर-सोनभद्र लोकसभा सीट बसपा के टिकट पर सांसद बने थे। वर्ष 2006 में इनका नाम आपरेशन चक्रव्यूह में देश के सामने तेजी से चर्चा में आया। इनपर पैसे लेकर सवाल पूछने की बात सामने आई थी। तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष सोमनाथ चटर्जी ने इससे जुड़े सांसदों की सदस्यता समाप्त कर दी थी। इन्हें सांसदी गंवानी पड़ी थी। पार्टी से निकाले जाने के बाद बाद में ये सपा में शामिल हुए। हालांकि बाद में ये फिर बसपा में लौट आए

संत समागम का आगाज, रागी जत्थों ने बांधा समां

मीरजापुर । इतिहासिक गुरुद्वारा श्रीगुरु तेगबहादुर साहिबजी ट्रस्ट निर्मल संगत नारायण घाट त्रिमोहानी विध्य

सिद्धपीठ की ओर से रविवार को श्रीगुरु गोविद सिंह महाराज का 355वां प्रकाश उत्सव धूमधाम से मनाया गया। साथ ही संत समागम का आगाज किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में भक्तों ने वहां पहुंचकर लंगर भी ग्रहण किया देश के पंजाब, हरिद्वार, वाराणसी, पटना से आए संत, महात्मा, रागी जत्थों ने समां बांधा। रविवार की सुबह से दोपहर दो बजे तक कीर्तन, व्याख्या इत्यादि के साथ विशाल संत समागम का समापन किया गया। इसके बाद गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। बताया गया कि हर साल यहां पर लंगर का आयोजन किया जाता है। प्रबंधक महंत श्याम सुंदर सिंह शास्त्री, उप प्रबंधक सुशील सिंह सनी, ज्ञानी हरभजन सिंह लहरी, करमजीत सिंह सरना, भूपेंद्र सिंह डंग, इंदरप्रीत सिंह लकी, विवेक सिंह रिकू की देखरेख में कार्यक्रम सकुशल संपन्न हुआ।

निष्पक्ष मतदान को प्रशासन अलर्ट

घोरावल (सोनभद्र)। विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन अलर्ट है। रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय विनोद कुमार, उपजिलाधिकारी घोरावल रमेश कुमार, क्षेत्राधिकारी घोरावल संजय कटियार, थानाध्यक्ष

शाहगंज संजय कुमार पाल ने पीएसी बल के साथ घोरावल विधानसभा के शाहगंज, राजपुर, रैपुरा, बराक, बनौरा, उसरी खुर्द, डाभा, खजुरी खुर्द, उचका आदि गांवों सहित अन्य संवदेनशील इलाकों का जायजा लिया। घोरावल में कोतवाली निरीक्षक देवतानंद सिंह ने लोगों को जागरूक किया। चोपन थाना प्रभारी केके सिंह ने बिल्ली-मारकुंडी के बाड़ी गांव में चौपाल लगाकर लोगों से निर्भिक-निडर होकर मतदान करने की अपील की। डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर भी मौजूद रहे। गोविदपुर प्रतिनिधि के अनुसार म्योरपुर थानाध्यक्ष अश्विनी कुमार त्रिपाठी ने गांव किरबिल, काचन, देवरी का दौरा कर ग्रामीणों को निर्भय हो मतदान करने की अपील की।

सड़क निर्माण कार्य मानक की अनदेखी, ग्रामीणों ने रोका काय

मझवा (मीरजापुर)। विकास खंड के ग्राम सभा सबेसर के पाठक के पुरा में सड़क निर्माण में मानक की अनदेखी का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों ने काम को रोकवा दिया। ग्रामीणों का कहना रहा कि छह महीने पूर्व विभाग ने खड़ंजे पर गिट्टी को डालकर छोड़ दिया था। जब कार्य को शुरू किया तो पर्याप्त मात्रा में बिना पानी डाले ही लेपन का कार्य शुरू कर दिया। इस संबंध में जेई पीडब्ल्यूडी राजकुमार यादव ने बताया कि संबंधित ठेकेदार को पानी डालकर पुनः रोलर चलाने के बाद कार्य को शुरू करने के लिए आदेश दिया गया है।

वीडीओ व एडीओ को प्रतिकूल प्रविष्टि

मड़िहान (मीरजापुर) । राजगढ़ विकास खंड अंतर्गत मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में सेंध लगाने वाले ब्लाक के ग्राम विकास अधिकारी मुकेश गौतम व एडीओ समाज कल्याण सिद्धार्थ सिंह के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। दोनों अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए वेतन वृद्धि पर रोक लगा दी गई है। दो माह पूर्व 10 दिसंबर को राजगढ़ विकास खंड परिसर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत 48 जोड़ों का विवाह संपनन्न हुआ था। इस मामले में दूसरी महिला कुसुम के खाते में इस राशि को भेजने शिकायत पर सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने पूरे प्रकरण की जांच कराई तो मामला उजागर हुआ। उधर, कुछ दिन पहले ही इस मामले में रैकरी गांव निवासी एक आरोपित पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज हो चुका है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में दिमाग लगाने वाले दोषियों की तलाश की जा रही है, क्योंकि खाता नंबर कुसुम देवी का जरूर था, लेकिन उसमें भी पता पूनम का ही लिखा गया जो पूर्णतया फर्जी था। मामला सामने तब आया जब शिकायत पर आय प्रमाण पत्र और जाति प्रमाण पत्र के क्रमांक की जांच बीडीओ राजगढ़ शैलेंद्र कुमार ने की। सामूहिक विवाह का योजना के लाभ का पैसा जोड़ों को न मिलकर रैकरी गांव निवासी कुसुम देवी के खाते में पहुंचते ही पति इसके बारे में पता लगाने लगा। जानकारी पर पति ने सीडीओ से पूरे मामले की शिकायत कर डाली। दोषी पाए जाने पर बीडीओ की रिपोर्ट के आधार पर दोनों अधिकारियों की वेतन वृद्धि पर रोक लगाते हुए हुए प्रतिकूल प्रविष्टि दी गई है।

मतदेय स्थलों पर तत्काल दुरुस्त कराएं सुविधाएं-एसडीएम

चुनार (मीरजापुर)। तहसील सभागार में एसडीएम नीरज प्रसाद पटेल ने सेक्टर लेखपालों की बैठक ली। बैठक में बूथों पर उपलब्ध बुनियादी सुविधाओं के बारे में जानकारी लेने के बाद समीक्षा की गई। उपजिलाधिकारी ने संबंधित बीडीओ व बीईओ को निर्देशित किया कि जिन जिन मतदेय स्थलों पर बिजली, पानी, रैंप आदि में कमियां हैं उन्हें समन्वय बनाकर तत्काल दुरुस्त किया जाए। इसके साथ ही उपजिलाधिकारी ने लेखपालों से उन संवेदनशील बूथों के बारे में पूछा जहां अलग से माइक्रो आब्जर्वर लगाए जाने और कैमरे की व्यवस्था कराने की आवश्यकता है।

15 घंटे लगा रहा जाम जन जीवन हुआ अस्त व्यस्त

ओबरा (सोनभद्र) । बालू परिवहन के कारण चोपन-भरहरी मार्ग पर पिछले एक माह से लग रहे जाम ने शनिवार शाम भयावह रूप धारण कर लिया। शनिवार रही। पिछले एक माह से लग रहे जामसे जनता को निजात दिलाने में जिला प्रशासन पूरी तरह फेल साबित हो रहा है। ऐसे में निर्वाचन कार्यों में व्यवधान पैदा होने की

रात 10 बजे से शुरू हुआ जाम रविवार दोपहर एक बजे जाकर खुला। इस दौरान आसपास का जनजीवन पूरी तरह अस्त व्यस्त हो गया। आमजन संग मरीजों को भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। वाहनों की लंबी कतार लगी संभावना पैदा हो गई है। शनिवार को ही अपराह्न बाद लगा तीन घंटे का जाम पांच बजे के करीब खुल पाया था। उक्त जाम में समाज कल्याण राज्यमंत्री संजीव गोंड़ सहित एंबुलेंस में मरीज भी फंसे रहे। जाम खुलने के पांच घंटे के अंदर ही रात दस बजे से पुनः कई स्थानों पर जाम लग गया। देर रात तक महलपुर स्थित विजुल पुल पर जाम लग गया। इसके कारण गोठानी तक वाहनों की कतार लग गई। विजुल पुल पर जाम को देखते हुए तमाम वाहन गायघाट होते हुए वाया खेवंधा होकर रेणुका पुल तक पहुंचने लगे। इस बीच रविवार तड़के सिदुरिया स्थित रेणुका पुल पर भी जाम लग गया। इसके कारण रेणुका पार का पूरा क्षेत्र जिला मुख्यालय से कट गया। रविवार होने के कारण हजारों की संख्या में ग्रामीण चोपन और ओबरा बाजार में खरीदारी के लिए आते हैं। इसके कारण भारी पैमाने पर आटो सहित यात्री वाहन जाम में फंसे रहे। जुगैल, भरहरी, कूड़ारी, सेमिया, घोरिया, कुरछा आदि ग्राम पंचायतों से आए यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। सैकड़ों यात्रियों को पैदल ही चोपन जाना पड़ा। आधा दर्जन से ज्यादा बालू खदानों के चालू होने कारण प्रतिदिन एक हजार के करीब ट्रक अगोरी और महलपुर आने लगी हैं। बालू लदी ट्रकों से शुल्क वसूली के लिए सिदुरिया मुख्य मार्ग पर लगे बैरियर के कारण पिछले तीन दिनों से लगातार जाम लग रहा है। इसके अलावा पार्किंग के अभाव में सड़कों पर एक लेन में खड़ी ट्रकें लगातार जाम लगने में सहायक भूमिका निभा रहे हैं। पुलिस के कई घंटों के प्रयास के बाद रविवार दोपहर में जाकर जाम खुल पाया। फिलहाल मौके पर ट्रैफिक पुलिस भी लगा दी गई है। इस संबंध में उप जिलाधिकारी ओबरा और सीओ ओबरा से दूरभाष पर वार्ता का प्रयास विफल रहा।

दो वाहनों में टक्कर के बाद हुई मारपीट में आधा दर्जन घायल

चील्ह (मीरजापुर) । स्थानीय चौराहे पर रविवार की शाम विवाह के पश्चात चौथ लेकर जा रहे लोगों से हुई मारपीट में आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। मारपीट के दौरान चले ईंट पत्थर में दो वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए। क्षेत्र के अनुरूद्धपुर पश्चिम पट्टी गांव निवासी बनारसी सिंह के घर शादी के बाद लड़की पक्ष के लोग चौथ लेकर वाराणसी के हरतीरथ मोहल्ला निवासी सतपाल सिंह का परिवार आ रहा था। उनके साथ कई गाड़ियों में परिवार व रिश्तेदार सवार होकर लड़के के घर जा रहे थे। औराई चौराहे पर ट्रक की टक्कर में कार में हल्की खरोंच आ गई। चील्ह चौराहा पर पहुंचने पर लोगों ने ट्रक को रोक लिया। ड्राइवर से कागज लेकर के पुलिस के पास बैठा दिया। तब तक ट्रक मालिक की तरफ से भी कुछ लोग आ गए। बातचीत के दौरान किसी ने स्थानीय एक सम्मानित व्यक्ति के ऊपर हाथ चला दिया। इससे लोग आग बबूला हो गए और लाठी-डंडे व ईंट-पत्थर लेकर चौथ ले जाने वालों पर हमला कर दिया। इसमें बोलेरो और एक कार क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं उपेंद्र सिंह, राघवेंद्र प्रताप सिंह, धनंजय सिंह, विक्रम प्रताप सिंह, बलवंत सिंह, सतपाल सिंह, अभिषेक सिंह, बृजेद्र प्रताप सिंह, सौरभ सिंह घायल हो गए। इस दौरान चौथ ले जाने वाले लोगों ने दो सोने की चेन व रुद्राक्ष की माला छीनने का आरोप लगाया। घटना की जानकारी होते ही सीओ सदर शैलेंद्र त्रिपाठी, कटरा कोतवाल राजेश कुमार व चील्ह थानाध्यक्ष अजीत कुमार श्रीवास्तव भारी पुलिस बल के साथ पहुंच गए और दोनों पक्ष को समझा बुझाकर मामले को शांत कराया।

IPL मेगा आक्शन में खर्च हुए 5 अरब से ज्यादा रुपये, यहां किल्क करके एक साथ देखें 10 टीमों की पूरी लिस्ट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के लिए बैंगलोर में दो दिन के मेगा आक्शन का आयोजन किया गया। 12 और 13 फरवरी को नए सीजन में भाग लेने वाली सभी 10 टीमों ने जमकर खिलाडियों पर बोली लगाई। हर किसी ने अपने चहेते खिलाड़ी पर उंची से उंची बोली लगाकर उनको अपनी टीम में शामिल किया। दो दिन की इस नीलामी में 5 अरब से भी ज्यादा रुपये की बोली लगाई गइ बैंगलोर में शनिवार और रविवार (12-13 फरवरी 2022) को दो दिन मेगा आक्शन का आयोजन हुआ। इस नीलामी में टूर्नामेंट में उतरने वाली 10 टीमों ने हिस्सा लिया। 600 खिलाडियों के नाम को नीलामी की लिस्ट में शामिल किया गया था। इसमें से 204 खिलाड.ियों को ही खरीददार मिली। इसमें से 67 विदेशी जबकि 137 भारतीय

खिलाडियों की बोली लगी। बाकी के 396 को बिना किसी टीम में जगह मिले वापस लौटना पड़ा। इस नीलामी में 10 टीमों ने कुल ?5,51,70,00,000 की बोली लगाई। इंडियन प्रीमियर लीग के नए सीजन की शुरुआत अगले महीने होनी है। इसमें 10 टीमों भाग लेंगी जिसमें लखनऊ और गुजरात की टीम नई होने वाली है। इससे पहले 8 टीमों पिछले लगातार कई सीजन से टूर्नामेंट का हिस्सा थी।

IPL 2022 में श्रीसंत का नाम तक नहीं लिया गया, अब हिन्दी गाना गाकर दिया यह मैसेज

नई दिल्ली। 2022 की मेगा नीलामी का आयोजन 12 और 13 फरवरी को बेंगलुरु में किया गया था और इसमें सभी 10 टीमों ने खिलडियों पर बोली लगाई। इस नीलामी में कुल 590 खिलडियों के नाम को शार्टलिस्ट किया गया था। इस बार की नीलामी में एक तरफ जहां कई खिलडियों पर बोली लगी तो कई बड़े नाम ऐसे रहे जिन्हें खरीदने में टीमों ने कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। नहीं बिकने वाले खिलडियों की लिस्ट में भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत रहे। कमाल की बात ये रही कि आक्शन के दौरान उनका नाम तक नहीं पुकारा गया जबकि वो फाइनल किए गए 590 खिलडियों की लिस्ट में शामिल किए गए थे। केरल के तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का बेस प्राइस इस नीलामी में 50 लाख रुपये था, लेकिन इसके बावजूद 10 टीमों में से किसी ने भी उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। अपने नहीं बिकने से श्रीसंत निराश नहीं हैं और उन्होंने कड़ी मेहनत करते रहने की बात कही है। श्रीसंत ने ट्वीटर पर अपनी एक वीडियो डाली है जिसमें वो 'रुक जाना नहीं तु कहीं

हार के' गीत गाते नजर आ रहे हैं। इस गाने के जरिए वो ये बताने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्होंने हार नहीं मानी है और वो आगे कोशिश जारी रखेंगे। उन्होंने शेयर किए गए वीडियो में कैप्शन दिया कि 'हमेशा आभारी और हमेशा आगे देखता हूं आप में से प्रत्येक को ढेर सारा प्यार और सम्मान, ओम नमः शिवाय।' इस हाई-वोल्टेज बिडिंग इवेंट की बात करें तो, पहली बार, कुल 11 खिलडियों ने आइपीएल नीलामी में 10 करोड़ या उससे अधिक की कमाई की। उनमें से, ईशान किशन सबसे महंगे थे क्योंकि मुंबई इंडियंस को उनकी सेवाओं को फिर से हासिल करने के लिए 15.25 करोड़ रुपये खर्च करने पड़े। इस बीच, आइपीएल 2022 के मार्च के अंतिम सप्ताह में शुरू होने की उम्मीद है।

कुछ ऐसी है केएल राहुल की कप्तानी वाली लखनऊ सुपरजाएंट्स, देखिए कैसी है टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में उतरने के लिए सभी टीमें तैयार हैं। बैंगलोर में 12 और 13 फरवरी को हुए मेगा आक्शन में नए सीजन में हिस्सा लेने वाली 10 टीमों ने अपने पसंद

के खिलडियों पर जमकर बोली लगाई। टूर्नामेंट में पहली बार शामिल हो रही लखनऊ सुपरजाएंट्स ने केएल राहुल को अपना कप्तान बनाया है। पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को टीम का मेंटोर बनाया गया है। लखनऊ ने नीलामी में 10 करोड़ी की बोली लगाकर गेंदबाज आवेश खान को अपने साथ जोड़ा। इस टीम के नीलामी में खरीदे गए वह सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। पहली बार टूर्नामेंट में उतरने वाली लखनऊ की टीम काफी मजबूत नजर आ रही है। टीम में केएस राहुल के साथ ओपनिंग में विकल्प के तौर पर साउथ अफ्रीका के दिग्गज क्विंटन डिकाक होंगे। जेसन होल्डर, क्रुणाल पांड्या जैसे आलराउंडर को भी टीम ने अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की। आवेश खान और अंकित राजपूत जैसे युवा टीम में शामिल हैं।

नवीन की मेहनत पर मंजीत ने पानी फेरा, दबंग दिल्ली ने बंगाल वारियर्स के साथ खेला टाई

बेंगलुरु। अंतिम मिनट ने नवीन एक्सप्रेस ने सुपर रेड के साथ दबंग दिल्ली को जीत तरफ ला दिया था लेकिन मंजीत छिल्लर की एक गलती दिल्ली को भारी पड़ गई और उसे मौजूदा चैम्पियन बंगाल वॉरियर्स के खिलाफ अंक बांटने पर मजबूर होना पड़ा। इस तरह

प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 106वें मैच में दिल्ली ने बंगाल के साथ 39-39 से टाई खेला, जो इस सीजन का 18वां टाई है नवीन ने इस मैच में शानदार वापसी करते हुए सीजन का अपना नौवां सुपर-10 लगाते हुए 16 अंक बटोरे। विजय ने उनका बेहतरीन साथ दिया और नौ अंक अपने नाम किए। बंगाल के लिए मनिंदर ने 16 अंक लिए। डिफेंस में अमित निरवाल और रण सिंह को तीन-तीन सफलता मिली। बंगाल का सीजन का तीसरा और दिल्ली का चौथा टाई है। इस टाई मुकाबले के साथ दिल्ली हालांकि अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। बंगाल ने सातवें मिनट में दिल्ली को आलआउट कर 10-6 की लीड ले ली। दिल्ली ने हालांकि अपने स्टार रेडर नवीन कुमार की बदौलत शानदार वापसी और जल्द ही स्कोर 15-15 कर लिया। अब दिल्ली के हमलावर बनने की बारी थी। इसका नतीजा यह हुआ कि जल्द ही बंगाल आलआउट की कगार पर थे और इसे अंजाम देकर दिल्ली ने मैच में पहली बार 19-17 की लीड ले ली। 19-18 के स्कोर पर पहला हाफ समाप्त हुआ। इसमें दिल्ली को रेड में 13 और डिफेंस में तीन जबकि बंगाल को रेड में 11 और डिफेंस में पांच अंक मिले। दोनों टीमों को आलआउट के दो-दो अंक मिले। ब्रेक के बाद हालांकि बंगाल ने वापस करते हुए स्कोर 22-22 कर दिया और फिर दिल्ली को एक बार फिर आलआउट की कगार पर धकेल दिया। विजय और जोगिंदर नरवाल ने मनिंदर को सुपर टैकल कर न सिर्फ आलआउट बचाया बल्कि एक अंक की लीड भी दिला दी। अबोजार मेघानी ने विजय का शिकार कर दिल्ली को फिर ऑलआउट की ओर धकेला और फिर इसे अंजाम देते हुए 29-26 की लीड ले ली। इसी बीच मनिंदर ने अपना 47वां सुपर-10 पूरा किया। आलइन के बाद दिल्ली ने लगातार तीन अंक लेकर स्कोर 29-29 कर दिया। अब 10 मिनट बचे थे।

फिर टूटा श्रीसंत के IPL खेलने का सपना, शार्टलिस्ट होने के बाद भी नहीं आया नाम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के लिए हुए मेगा आक्शन में 200 से ज्यादा खिलडियों की बोली लगी। 12 और 13 फरवरी को बैंगलोर में कराया गया आइपीएल 2022 का मेगा ऑक्शन अब खत्म हो चुका है। इस नीलामी में कई खिलडियों को उम्मीद से ज्यादा पैसे मिले तो वहीं एक खिलाड़ी ऐसा था जिसकी उम्मीदों को जोरदार झटका लगा। भारतीय गेंदबाज एस श्रीसंत को इस नीलामी में शार्टलिस्ट किया गया था लेकिन उनका नाम नहीं आया। भारत की तरफ से दो विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे गेंदबाज श्रीसंत को आइपीएल 2022 के मेगा आक्शन में मौका नहीं मिल पाया। इस गेंदबाज का नाम आइपीएल की नीलामी में उतरने के लिए ड्राफ्ट किया था और उनका नाम आखिरी 590 खिलडियों की लिस्ट में भी था। फिर भी श्रीसंत का नाम नीलामी के दौरान आक्शन हाल में नहीं लिया गया। एक्सलेरेट आक्शन की वजह से नाम शार्टलिस्ट किए जाने के बावजूद भी उनका नाम आक्शन हाल में नहीं पहुंच पाया। स्पाट फिक्सिंग में नाम आने की वजह से श्रीसंत पर बीसीसीआइ ने प्रतिबंध लगाया था। 7 साल का प्रतिबंध झेल चुके

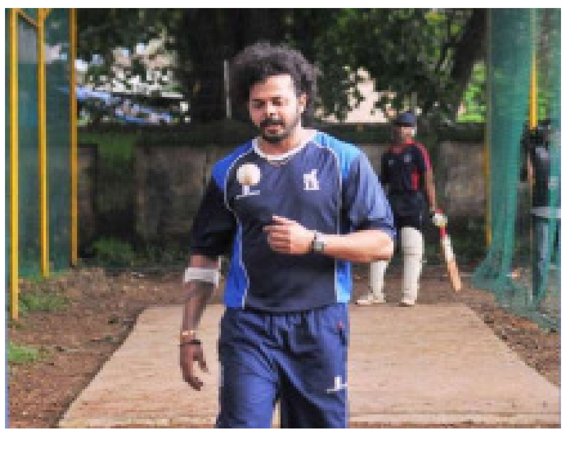

तेज गेंदबाज ने आईपीएल 2022 मेगा आक्शन में शामिल होने के लिए अपना नाम दिया था। बीसीसीआइ द्वारा जारी आखिरी नीलामी की लिस्ट में उनका नाम भी था। नीलामी में नाम शामिल किए जाने के लिए किसी भी फ्रैंचाइजी ने उनमें दिलचस्पी नहीं दिखाई। वैसे यह पहली बार नहीं जब श्रीसंत को आइपीएल में निराशा हाथ लगी। इससे पहले पिछले साल आईपीएल भी उन्होंने अपना नाम नीलामी के लिए ड्राफ्ट में डाला था। तब उनके नाम को अंतिम लिस्ट में शार्टलिस्ट नहीं किया गया था।

शिखर धवन को मिल सकती है पंजाब किंग्स की कप्तानी, देखिए कैसी है पूरी टीम

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के लिए दो दिन आयोजित हुए मेगा आक्शन के बाद अब सारी टीमें नए सीजन में उतरने के लिए तैयार हैं। 12 और 13 फरवरी को बैंगलोर में दोपहर 12 बजे से 10 टीमें लगातार दो दिन इसी वक्त अपने चहेते खिलडियों के लिए बोली लगाने पहुंची। अनिल कुंबले की कोचिंग वाली टीम पंजाब किंग्स ने भी अच्छी खासी रकम लगाते हुए अपनी टीम तैयार की। शिखर धवन और कगिसो रबादा को मोटी रकम देकर टीम के साथ जोड़ा गया जिसके बाद यह टीम काफी मजबूत नजर आ रही है। इस टीम ने नीलामी से पहले मयंक अग्रवाल और अर्शदीप सिंह के रूप में दो खिलडियों को रिटेन किया था। हालांकि टीम के कप्तान के नाम पर अब तक सस्पेंस बना हुआ है लेकिन नीलामी के बाद धवन को कप्तान के दावेदार के तौर पर देखा जा रहा है।

शिखर धवन- (2 करोड़) 8.25 करोड़ -पंजाब

कगिसो रबादा (2 करोड़) 9.25 करोड़ पंजाब

जानी बेयरस्टो (1.50 करोड़) 6.75 पंजाब

राहुल चाहर (75 लाख) 5.25 करोड़ पंजाब

शाहरुख खान (40 लाख) 9 करोड़ पंजाब

हरप्रीत बरार (20 लाख) 3.80 पंजाब

प्रभसिमरन (20 लाख) 60 लाख पंजाब

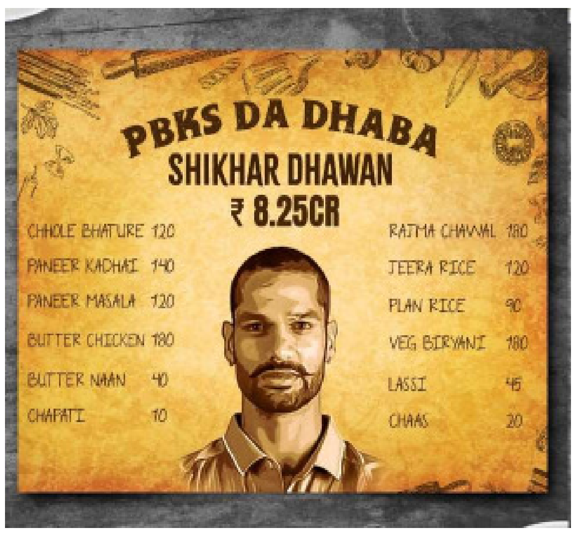

हार्दिक पांड्या की कप्तानी में पहली बार IPL में उतरने के लिए तैयार हुई गुजरात टाइटंस

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के लिए मेगा आक्शन खत्म हो चुका है। 12 और 13 फरवरी के बैंगलोर में हुई इस नीलामी में नए सीजन में भाग लेने वाली सभी 10 टीमों ने बढ़ चढ़कर अपने चहेते खिलडियों के लिए बोली लगाई। टूर्नामेंट में पहली बार शामिल हुई गुजरात टाइटंस ने भी कई खिलडियों को लिए उंची बोली लगाते हुए उसे अपनी टीम के साथ जोड़ा। इस नीलामी में फ्रेंचाइजी टीम ने 10 करोड़ी की सबसे उंची बोली लगाते हुए लोकी फुर्ग्युसन को टीम का सबसे महंगा खिलाड़ी बनाया। टूर्नामेंट में पहली बार उतरने वाली गुजरात की टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या होंगे। इसके अलावा टीम ने धुरंधर स्पिनर राशिद खान और युवा शुभमन गिल को अपने साथ जोड़ा है। टीम के मुख्य कोच पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज आशीष नेहरा होंगे। दो दिन की नीलामी के बाद अब टीम नए सीजन में उतरने के लिए पूरी तरह से तैयार है।

राशिफल

मेष-: आज आप व्यस्त होने के बावजूद खुश रहेंगे। पार्टनर से अनबन संभव है। आर्थिक क्षेत्र में प्रगति हो सकती है।

वृष-: आज आपके सभी सोचे हुए काम पूरे होंगे। व्यापार में पैसा लगाना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। शादीशुदा लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा है।

मिथुन-: खेल और बाहरी गतिविधियों में भाग लेने से आपको अपनी खोई हुई ऊर्जा वापस पाने में मदद मिलेगी। ख़र्चों पर नियंत्रण रखने की कोशिश करें और ज़रूरी चीज़

कर्क-: आज आपको किसी रिश्तेदार या किसी खास व्यक्ति से कुछ मानसिक तनाव हो सकता है। नौकरी और व्यापार में आपको सफलता मिलेगी। धन लाभ के अच्छे योग है।

सिंह-: आज आपका दिन सामान्य रहेगा। आर्थिक मामलों में समझदारी से काम लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। जीवनसाथी की सलाह फायदेमंद हो सकती है।

कन्या-: डर आपकी खुशियों को बर्बाद कर सकता है। आपको समझना चाहिए कि यह आपके अपने विचारों और कल्पनाओं से पैदा हुआ है। भय सहजता को मारता है।

तुला-: आज आप दिन भर थोड़े सुस्त और अनम्य रह सकते हैं, जिसका असर आपके काम की गुणवत्ता पर पड़ेगा। धैर्य और समझदारी से काम लें।

वृश्चिक-: आज आपका दिन पहले से बेहतर रहेगा। अपनी मेहनत से आप परिवार की अपेक्षाओं पर खरा उतरने में सफल हो सकते हैं।

धनु-: आज आप ऊर्जा से भरे रहेंगे और यह संभव है कि अचानक आपको अनदेखा लाभ प्राप्त होगा। परिवार में किसी बुजुर्ग व्यक्ति की तबीयत खराब रहने से परेशानी हो सकत

मकर-: आज आपका रुझान अध्यात्म की ओर रहेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक सीखने की जरूरत है, क्योंकि आज दिल की बात कहने से नुकसान हो सकता है।

कुंभ-: आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपकी मुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से हो सकती है जो आपको भविष्य में बहुत लाभ देगा।

मीन-: सेहत को लेकर ज्यादा चिंता न करें। बेचैनी बीमारी की सबसे बड़ी दवा है। आपका सही नजरिया गलत नजरिए को हराने में सफल होगा।

जीत की पटरी पर लौटे पुनेरी पल्टन, हरियाणा स्टीलर्स को 45-27 से हराया

बेंगलुरु, आनलाइन डेस्क। पुनेरी पल्टन ने जीत की पटरी पर लौटते हुए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 108वें मैच में न सिर्फ हरियाणा स्टीलर्स को 45-

27 से हराया बल्कि प्रेऑफ में पहुंचने की अपनी संभावना को जिंदा रखा है। मैच शुरू होने की सीटी बजने के साथ ही पल्टन ने रफ्तार पकड़ी और तीन बार आलआउट कर एक ऐसी लीड हासिल कर ली, जिसे पार पाना स्टीलर्स के लिए मुश्किल था। अंतः हुआ भी वही। स्टीलर्स को सीजन की सातवीं हार मिली। वे अभी भी तीसरे क्रम पर हैं। पल्टन ने नौवीं जीत के साथ दो स्थान की छलांग लगाते हुए नौवां स्थान हासिल कर लिया है। पल्टन की जीत में मोहित गोयत (12) और असलम इनामदार (8) के अलावा डिफेंस में सोमवीर (7) की अहम भूमिका रही। हरियाणा के लिए कप्तान विकाश कंडोला और विनय ने 5-5 और आशीष ने 8 अंक लिए। पल्टन ने लगातार तीन मैच हारने के बाद हरियाणा पर जीत हासिल की है। पल्टन ने जोरदार शुरुआत की और सात मिनट के अंदर ही हरियाणा को आलआउट कर 10-2 की लीड बना ली। पल्टन के लिए उसके स्टार रेडर असलम लय में नहीं दिखाई दे रहे थे लेकिन मोहित ने इसकी भरपाई करते हुए पहले हाफ के अंतिम मिनट में दूसरी हार हरियाणा को आलआउट कर अपनी टीम को 24-7 की लीड दिला दी। पल्टन की जीत में मोहित गोयत (12) और असलम इनामदार (8) के अलावा डिफेंस में सोमवीर (7) की अहम भूमिका रही। हरियाणा के लिए कप्तान विकाश कंडोला और विनय ने 5-5 और आशीष ने 8 अंक लिए। पल्टन ने लगातार तीन मैच हारने के बाद हरियाणा पर जीत हासिल की है। पल्टन ने जोरदार शुरुआत की और सात मिनट के अंदर ही हरियाणा को आलआउट कर 10-2 की लीड बना ली। पल्टन के लिए उसके स्टार रेडर असलम लय में नहीं दिखाई दे रहे थे लेकिन मोहित ने इसकी भरपाई करते हुए पहले हाफ के अंतिम मिनट में दूसरी हार हरियाणा को आलआउट कर अपनी टीम को 24-7 की लीड दिला दी। इस हाफ का सार यह रहा कि पल्टन का डिफेंस बेहतरीन खेला और 8 अंक जुटाए जबकि हरियाणा का डिफेंस सिर्फ एक अंक ले सका। इसी तरह कप्तान विकाश के नेतृत्व में हरियाणा के रेडर भी बेबस नजर आए लेकिन पल्टन के रेडरों ने 5 के मुकाबले 11 अंक लिए।

PKL-8 : परदीप की सुपर रेड की हैट्रिक, यूपी ने जयपुर को हराकर चौथा स्थान हासिल किया

बेंगलुरु । रिकॉर्ड ब्रेकर परदीप नरवाल चल निकले हैं। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के आठवें सीजन के 109वें मैच में परदीप ने जयपुर पिंक पैंथर्स के खिलाफ तीन सुपर रेड किए और अपने करियर के 65वें सुपर-10 के साथ यूपी योद्धा को 41-34 से जीत दिलाई। इस

जीत के साथ यूपी की टीम अंक तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई है। परदीप ने इस मैच में कुल 14 अंक हासिल किए। उनकी टीम की ओर से सुरेंदर गिल ने भी नौ अंक लिए तथा आशू सिंह को डिफेंस में 6 अंक मिले। यूपी की यह 19 मैचों में आठवीं जीत है। दूसरी ओर, जयपुर को अर्जुन देसवाल (14) के एक और चमकदार प्रदर्शन के बावजूद 18 मैचों में आठवीं हार मिली। इस मैच में जयपुर का डिफेंस यूपी से बेहतर खेला लेकिन रेडिंग में यूपी ने बाजी मार ली। जयपुर ने पांचवें मिनट में ही यूपी को आलआउट की कगार पर धकेल दिया लेकिन आशू ने तीन मौकों पर इसे टाल दिया। एक समय यूपी की टीम 1-6 से पीछे थी लेकिन अर्जुन देसवाल को सुपर टैकल कर यूपी ने 7-7 से बराबरी कर ली। इसी स्कोर पर सुरेंदर गिल डू ओर डाई रेड पर आए लेकिन साहुल ने उन्हें लपक लिया। यूपी एक बार फिर आलआउट की कगार पर थी और इस बार जयपुर ने 12वें मिनट में इसे अंजाम देते हुए 12-8 की लीड ले ली। आलइन के बाद देसवाल ने अपने करियर का 300वां रेड अंक पूरा किया। आलइन के बाद दोनों टीमों को लगातार अंक मिल रहे थे। गिल के दो अंकों की रेड के साथ यूपी ने स्कोर 12-15 कर दिया था। दोनों टीमों के रेडर लगातार अंक ले रहे थे लेकिन जयपुर के पांच अंकों फासला कम नहीं हो रहा था। यूपी ने हालांकि पहले हाफ के अंतिम मिनटों में जोरदार वापसी करते हुए न सिर्फ लीड का फासला 1 का कर दिया बल्कि जयपुर को सुपर टैकल की स्थिति में भी डाल दिया। हाफ टाइम तक स्कोर 19-18 से जयपुर के पक्ष में था। हाफ टाइम के बाद पहली ही रेड पर परदीप नरवाल ने सुपर रेड के साथ जयपुर को समेट यूपी को 22 मिनट के बाद पहली बार 23-19 की लीड दिला दी।

सम्पादकीय

पीएम मोदी के बयान से गोवा की मुक्ति संग्राम पर फिर छिड़ी बहस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से गोवा की आजादी में विलंब की चर्चा से गोवा मुक्ति आंदोलन चर्चा के केंद्र में आ गया है। भारतीय सेना ने 1961 में 19 दिसंबर को गोवा को पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया था। इसी कारण इस तिथि को गोवा मुक्ति दिवस के रूप में मनाते हैं। प्रधानमंत्री की ओर से गोवा की मुक्ति में देरी का उल्लेख किए जाने से न केवल यह मसला इस राज्य में चुनावी मुद्दा बन गया, बल्कि इसे लेकर लोगों की जिज्ञासा भी बढ़ गई कि आखिर गोवा की आजादी में इतनी देर क्यों हुई अब जब आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है तब इस सवाल की तह तक जाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने नेहरूजी के उस भाषण का उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था, 'कोई धोखे में न रहे कि हम वहां फौजी कार्रवाई करेंगे। जो लोग वहां जा रहे हैं उन्हें वहां जाना मुबारक।' नेहरूजी का इशारा समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया की ओर था, जो 1946 से ही गोवा मुक्ति संग्राम का नेतृत्व कर रहे थे। लाहौर जेल से रिहाई के बाद लोहिया अपने सहपाठी मित्र मेंजिस के निमंत्रण पर जून 1946 को पणजी स्थित उनके निवास पर पहुंचे। चूंकि समाजवादी विचारों को लेकर अपनी प्रखरता के कारण वह अपनी अलग पहचान बना चुके थे, इसलिए उनके गोवा आगमन का समाचार मिलते ही उनसे मिलने-जुलने वालों का तांता लगने लगा। 18 जून 1946 को लोहिया की जनसभा का एलान हो गया और इसी के साथ गोमांतक में नागरिक स्वतंत्रता आंदोलन की शुरुआत हो गई। जब उनके सभास्थल पर स्वतंत्रता प्रेमियों का हुजूम इकट्ठा हो गया तो पुलिस द्वारा लोहिया और उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया। इससे उत्तेजित जनता ने पुलिस स्टेशन घेर लिया। जनता के दबाव के चलते उन्हें रिहा कर दिया गया और गोवा में भी आजादी के नारे गूंजने लगे। इस प्रकार गोवा में सत्याग्रह का आरंभ लोहियाजी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इतिहास के पन्ने पलटें तो पता चलता है कि जुलाई 1497 में यूरोपीय उपनिवेशवाद की पहली चौकी केरल में स्थापित हुई। यह वह दौर था, जब भारत की समृद्धि की ख्याति देश-देशांतर तक फैली हुई थी। भारत यूरोपीय देशों के व्यापारियों को ललचा रहा था। पुर्तगालियों के लिए भारत का आकर्षण और भी गहरा था। पुर्तगाली 1510 में गोवा समेत दादर, नगर हवेली और दमन दीव पर भी अपना शासन स्थापित करने में कामयाब हो गए। पुर्तगाली दमन और शोषण के विरुद्ध छिटपुट आवाजें उठती रहीं, लेकिन शासक वर्ग उसे बेरहमी से दबाता रहा। यह एक तथ्य है कि पुर्तगाल साम्राज्य के शोषण से कोंकण क्षेत्र को मुक्त कराने का प्रभावी प्रयास छत्रपति शिवाजी महाराज के नेतृत्व में भी हुआ, लेकिन उन्हें वांछित सफलता नहीं मिली। गोवा को 1961 के अंत तक क्यों पराधीन रहना पड़ा? इसके कई कारण हैं, लेकिन एक बड़ा कारण पुर्तगाल की सत्ता पर क्रूर शासक सालाजार का काबिज होना रहा। यह वह दौर था जब यूरोपीय देशों में हिटलर, मुसोलिनी, सालाजार आदि आंतरिक लोकतंत्र समाप्त कर तानाशाह बने हुए थे। दूसरा बड़ा कारण गोवा की मुक्ति में भारतीय सेना का इस्तेमाल न करने की भारत सरकार की हिचक रही। दिसंबर 1961 तक नेहरूजी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के चलते गोवा के स्वाधीनता संग्राम प्रेमियों से दूरी बनाए रहे। यद्यपि गोवा में स्वाधीनता संग्राम के दौरान 1928 में ही कांग्रेस पार्टी का गठन हो चुका था। गोवा कांग्रेस कमेटी कई वर्षों तक बंबई कांग्रेस कमेटी के साथ संबद्ध रही, लेकिन 1935 के गवर्नमेंट आफ इंडिया एक्ट के मुताबिक किए गए संवैधानिक सुधारों के फलस्वरूप कांग्रेस ने ब्रिटिश इंडिया के अलावा अपनी सभी शाखाओं से संबंध तोड़ लिया। इससे गोवा के राष्ट्रवादियों का मनोबल टूटा, लेकिन 18 जून 1946 में सार्वजनिक सभा में लोहिया की गिरफ्तारी ने भूचाल ला दिया। महात्मा गांधी ने 26 जून 1946 को दिल्ली में अपनी प्रार्थना सभा में लोहिया की गिरफ्तारी पर चिंता व्यक्त की तो गोवा में आजादी की बयार फिर तेजी से बहने लगी। गांधीजी के समर्थन बाद भी कांग्रेस के बड़े नेताओं को गोवा की आजादी का सवाल उठाना पसंद नहीं आया। 10 जुलाई 1946 को नेहरूजी के इस बयान ने उत्तेजना पैदा कर दी कि इस समय जब कांग्रेस हिंदुस्तान की आजादी के मोर्चे पर अपनी सारी शक्ति केंद्रित किए हुए है, तब हमें छोटी लड़ाइयों पर ध्यान देने की आवश्यकता नहीं है। गोवा मुक्ति आंदोलन में शामिल सत्याग्रहियों को नेहरूजी की यह बात बुरी लगी। उनसे कुपित होकर समाजवादियों ने कांग्रेस से किनारा कर लिया।

राजनीतिक सुधार की दृष्टि से परिवारवाद की बेलगाम राजनीति बड़ा खतरा

हम चुनाव के माध्यम से अपने जनप्रतिनिधि और मन की सरकार चुनते हैं। राजनीतिक दल ही चुनावी खेल के मुख्य खिलाड़ी होते हैं, लेकिन कई दलों के रूप-स्वरूप लोकतांत्रिक नहीं दिखते। संविधान में राजनीतिक दल की परिभाषा नहीं है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम में चुनाव आयोग को दल पंजीकरण के अधिकार हैं, लेकिन दल संचालन की व्यवस्थित नियमावली नहीं है। राजनीतिक सुधारों की दिशा में कोई ठोस काम नहीं हुआ और न चुनाव सुधारों पर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कुछ दिन पहले चुनाव सुधारों की दृष्टि से एक देश एक चुनाव पर विचार करने की अपील की थी। इस दफा उन्होंने राजनीतिक सुधार की दृष्टि से परिवारवाद को राजनीति का बड़ा खतरा बताया है। उन्होंने कहा कि 'परिवारवाद लोकतंत्र का सबसे बड़ा शत्रु है। इससे राजनीति में सक्रिय प्रतिभाशाली लोगों को कठिनाई आती है और गंभीर समझौते करने पड़ते हैं।' यह सही भी है। यहां एक व्यक्ति और परिवार की तमाम पार्टियां हैं। वे एक परिवार की प्रापर्टी होती हैं। उनमें आजीवन राष्ट्रीय अध्यक्ष होते हैं। ऐसे दल असल में लोकतंत्र के लिए खतरा हैं। देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस में अर्से से एक ही परिवार का कब्जा है। पं. नेहरू से लेकर उनकी पुत्री इंदिरा गांधी, फिर उनके पुत्र राजीव गांधी, फिर उनकी पत्नी सोनिया गांधी और पुत्र राहुल गांधी का परिवार ही कांग्रेस का नीति-नियंता है। सोनिया जी ही लंबे समय से पार्टी की मुखिया हैं। एक समय तेजतर्रार विपक्षी दलों ने कांग्रेस पर वंशवाद का आरोप लगाया था। धीर धीरे उन दलों ने भी परिवारवाद की राह पकड़ी। जो परिवारवाद के विरोधी थे, वे भी परिवारवादी हो गए। उत्तर से लेकर दक्षिण तक एक परिवार की पार्टियां दिखाई पड़ती हैं। ऐसी पार्टियों का संचालन एक परिवार द्वारा ही किया जा रहा है। जदयू के नेता व बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपवाद हैं। प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश की प्रमुख विपक्षी पार्टी की ओर इशारा करते हुए कहा कि इस पार्टी में 25 वर्ष की आयु के सभी परिजनों को चुनाव लड़ने का अवसर मिला है। पार्टी प्रापर्टी नहीं हो सकती। परिवारवादी चरित्र के कारण समय-समय पर कांग्रेस से निकली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस जैसी पार्टियां बनीं, जो परिवारवादी बनती गईं। परिवार आधारित पार्टियों में स्वस्थ राजनीतिक परंपराएं नहीं होतीं। स्वस्थ राजनीतिक दल की एक स्पष्ट अर्थनीति होती है। उसकी एक समाज नीति होती है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रशनें पर एक दृष्टिकोण होता है। संगठन संचालन की नियमावली होती है। परिवारवादी दलों में ऐसा विमर्श नहीं होता। पिता पुत्र, पुत्री और प्रियजन ही संसदीय बोर्ड होते हैं। घर के लोग ही सभी प्रशनें पर विचार करते हैं। वे अपने-अपने हितों के लिए

झगड़ालू होते हैं। उत्तर प्रदेश की एक विपक्षी पार्टी में ऐसे झगड़े प्रत्यक्ष दिखे हैं। यहां परिवार आधारित कई पाटिर्यां हैं। डेढ-दो जिलों तक प्रभावी पार्टियों में भी परिवार के ही लोग पदाधिकारी होते हैं। इन दलों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होता। राष्ट्रीय चुनौतियों पर कोई बहस नहीं होती। परिवारवादी पाटिर्यों के अध्यक्ष प्रतिभाशाली लोगों की उपेक्षा करते हैं। उनका आचरण किसी निजी कंपनी के सीईओ जैसा होता है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं है। परिवारवादी राजनीति में प्रतिभाएं उपेक्षित और अपमानित होती हैं। परिवारवादी राजनीति की प्राथमिकता परिवार हित है। यहां राष्ट्रहित उपेक्षित होते हैं। चुनाव मुद्दा आधारित न रहकर दोषपूर्ण हो जाते हैं। इसके दोषी परिवारवादी दल ही होते हैं। संविधान सभा में 15 जून, 1949 के दिन पंडित हृदयनाथ कुंजरू ने कहा था कि दोषपूर्ण चुनाव से लोकतंत्र विषाक्त होगा।' आमजन चुनाव में परिवार आधारित दलों की बढ़ती संख्या से निराश हैं। देश स्वाधीनता का अमृत महोत्सव मना रहा है। सभी स्तरों के सैकड़ों चुनाव हो गए हैं, लेकिन भारतीय जनतंत्र विचारनिष्ठ नहीं हुआ। दलों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं बढ़ा। इससे लोकतंत्र की क्षति होती है। परिवारवादी राजनीति की दो श्रेणियां हैं। पहली श्रेणी में पार्टी का समूचा कार्य संचालन एक ही परिवार द्वारा किया जाता है। दूसरी श्रेणी में किसी भी दल में काम करने वाले अपने पुत्रों-पुत्रियों के लिए टिकट मांगते हैं। उन्हें कभी-कभी जनता नकार भी देती है। इस दूसरी कोटि के लोगों द्वारा पार्टी का संचालन नहीं होता। जनता उनके नेतृत्व को नकार दे तो भी उन पर फर्क नहीं पड़ता। परिवारवादी दलों में राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव नहीं होते। वे आजीवन अध्यक्ष बने रहते हैं। उनके न रहने पर उनके परिजन पार्टी-प्रापर्टी का संचालन करते हैं। दोनों तरह के परिवारवाद में बुनियादी अंतर है। किसी पार्टी में किसी सांसद-विधायक का वृद्धावस्था व अन्य कारण से हटना और उनकी जगह पर उनके परिवार के किसी सक्षम कार्यकर्ता को पार्टी का टिकट देना स्वाभाविक है। ऐसे वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के पुत्र-पुत्री अपनी निष्ठा के कारण दूसरे दल में नहीं जा सकते। भारतीय राजनीति में व्यापक राजनीतिक सुधारों की आवश्यकता है। राजनीतिक दल हमारे लोकतंत्र का उपकरण हैं। मुख्य रूप से उनके दो कार्य क्षेत्र हैं। पहला विचारधारा के अनुसार आजजनों का राजनीतिक शिक्षण, विचारधारा का प्रचार, जनसंगठन और जन आंदोलन जैसे अभियानों का संचालन। दूसरा संसद और विधानमंडलों में मर्यादित बहसों के माध्यम से राष्ट्रहित का संवर्धन। हमारा दलतंत्र दोनों ही कर्तव्यों में असफल हुआ है। मूलभूत प्रशन है कि दलों के भीतर आंतरिक लोकतंत्र का विकास क्यों नहीं हुआ राजनीतिक दलों में आजीवन अध्यक्ष क्यों हैं। उनके निधन पर पुत्र और पुत्री ही राष्ट्रीय अध्यक्ष क्यों बनते हैं पार्टियां प्राइवेट प्रापर्टी क्यों है ऐसे प्रश्न राष्ट्रीय बेचैनी हैं। संविधान के कामकाज पर गठित एक आयोग ने विचारधारा के आधार पर दलों की संख्या सीमित करने का सुझाव दिया था, लेकिन दुर्भाग्य से यहां परिवारवादी पार्टियां कुटीर उद्योग की तरह बढ़ रही हैं। चुनाव कानून की धारा-29 ए में संशोधन करते हुए निर्वाचन आयोग को दल व्यवस्थित करने का अधिकार मिलना चाहिए। दलों को नियमों व कानूनों के दायरे में लाने में आदर्श जनतंत्र का भविष्य है।

यूक्रेन मामले पर निरंतर बढ़ते तनाव से युद्ध की गहराती आशंका

रूस के लिए यूक्रेन हमेशा से एक महत्वपूर्ण देश रहा है। रूस के लोगों के बीच भी यूक्रेन को लेकर एकमत रहा है और इस मुद्दे पर वे सरकार के साथ खड़े दिखाई देते हैं। इसके पीछे के कारणों को देखा जाए तो पाएंगे कि दोनों देश ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और धार्मिक तौर पर काफी जुड़े हुए रहे हैं। दोनों देश खुद को मध्यकालीन एवं रूस साम्राज्य से स्वयं के अस्तित्व को देखते हैं। दोनों देशों की राजधानी में ब्लादिमीर डी ग्रेट (958-1015 की मूर्ति लगी हुई है। रूस जहां इस मध्यकालीन शासक को एकीकरण का प्रतीक और संस्थापक पिता मानता है, वहीं यूक्रेन इन्हें केवल यूक्रेन राज्य का संस्थापक पिता मानता है। दोनों देशों के बीच अगर वर्तमान समय में गतिरोध देखते हैं तो पाएंगे कि एक तरफ जहां सीमाओं और पश्चिम का संघर्ष है, तो वहीं दूसरी तरफ ऐतिहासिक स्मृतियों को लेकर भी संघर्ष रहा है। इस संदर्भ में देखें तो यूक्रेन पिछले कुछ वर्षों में एक तरफ जहां सोवियत गणराज्य से संलग्न इतिहास को खत्म करने का प्रयास कर रहा है, वहीं रूस का प्रयास इस ओर है कि दोनों देशों के साझा इतिहास को संजोया जाए। सोवियत संघ के विघटन के बाद से ही यूक्रेन में सरकारें इन्हीं दो भावनाओं के आधार पर बनती और बिगड़ती रही हैं। कभी रूस समर्थित राष्ट्रपति सत्ता में आए तो कभी पश्चिम समर्थित सरकारें आईं। वर्तमान राष्ट्रपति जिन्हें पश्चिम समर्थक माना जाता है, जनवरी 2021 में नाटो में शामिल होने का प्रस्ताव (जो अमेरिका द्वारा यूक्रेन को पूर्व में ही प्रस्तावित था) अमेरिकी राष्ट्रपति को दिया और फरवरी 2021 में पुतिन के काफी करीबी रहे यूक्रेन की संसद के मुख्य विपक्षी दल के मुखिया को नजरबंद कर दिया गया। पुतिन लगातार इस संबंध में यूक्रेन की सरकार को समझाने का प्रयास करते रहे हैं। नाटो की भूमिका दरअसल पूर्वी यूरोप में नाटो के विस्तार को लेकर पुतिन अपने शुरुआती दौर से ही

मुखर रहे हैं। इस खतरे को लेकर रूस के राष्ट्रपति रहे बोरिस येल्तसिन भी पूर्व में अपनी चिंता जता चुके थे। वर्ष 1994 में बाल्टिक देशों द्वारा नाटो के मेंबरशिप लेने के बाद से ही रूस और नाटो देशों के बीच गतिरोध बढ़ता चला गया। नाटो के बाल्टिक देशों में विस्तार के बाद ही चेतावनी जारी करते हुए उसने कहा था कि पश्चिम के देशों को इसे पार करने से परहेज करना चाहिए। वर्ष 2000 में नेशनल सिक्योरिटी कांसेप्ट को जारी करते समय रूस ने नाटो के विस्तार को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा माना था। वर्ष 2014-2015 में मिन्स्क-1 और मिन्स्क-2 समझौते में फ्रांस, जर्मनी, यूक्रेन और रूस ने यह प्रतिबद्धता जारी की थी कि रूस और यूक्रेन के मामले में तीसरा कोई देश शामिल नहीं होगा। अतः रूस ने यूक्रेन के नाटो में शामिल होने के प्रयास को समझौते का अपमान माना और साथ ही अमेरिका के बाल्टिक देशों के नाटो में शामिल करने के बाद के आश्वासन की अवहेलना मान रहा है। वर्तमान में संभावित खतरे का अपने ढंग से आकलन करते हुए रूस बड़ी संख्या में सैन्य तैनाती की ओर आगे बढ़ रहा है। साथ ही, सहयोगी देश बेलारूस में युद्धाभ्यास शुरू कर दिया है जिसका प्रमुख कारण है बेलारूस के चेनीबिल से कीव की दूरी कम होना। साथ ही, उसने अपने कैलिनिनग्राद क्षेत्र जो पूरी तरह नाटो समर्थित देशों से घिरा है, वहां बड़ी मात्रा में अत्याधुनिक हथियारों की तैनाती कर दी है। पोलैंड की लगती सीमाओं पर भी रूस अपनी पूरी ताकत दिखा रहा है। यूरोप के देश अपनी रणनीतिक चिंताओं और ऊर्जा सुरक्षा को लेकर बड़ी सजगता से इस गतिरोध को खत्म करने के प्रयास में जुटे हैं, पर रूस ने अपनी मांग खुले ढंग से साझा कर दी है कि नाटो के विस्तार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही यह भी मांग रख दी है कि अमेरिका समर्थित नाटो को कोई ठोस आश्वासन देना होगा कि वह नाटो के विस्तार की योजना को बढ़ावा नहीं देगा। नाटो देश इस तरह के आश्वासन देने से बचते रहे हैं, जिससे उनकी मंशा उजागर होती है।

जलवायु परिवर्तन का स्थानीय स्तर तक व्यापक हो रहा है प्रभाव

हमने दक्षिणी-पश्चिमी मानसून के दौरान चरम वर्षा वाली घटनाओं को तो महसूस किया ही है, दक्षिण भारत के कुछ राज्यों में बगैर मानसून लगातार हो रही वर्षा ने भी यह साबित कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन का असर घातक होने लगा है। जनवरी और फरवरी में रिकार्ड बारिश हुई। इसमें संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन केवल वैश्विक अवधारणा भर नहीं रहा, बल्कि इसका दुष्प्रभाव अब स्थानीय स्तर पर भी दिखने लगा है। अगर भारत की ही बात करें तो पिछले कुछ वर्षों के दौरान चरम मौसमी घटनाएं जलवायु परिवर्तन की वजह से ही सामने आ रही हैं। दिल्ली में विस्तारित मानसून के दौरान अनियमित और अत्यधिक बारिश, घटता कोहरा और भीषण गर्मी, इन सभी का कारण जलवायु परिवर्तन ही रहा है। दरअसल, ग्लोबल वार्मिंग के कारण हवाओं का तापमान बढ़ जाता है और उसके बहाव की दिशा बदल जाती है जिससे उसका असर मौसम की चरम घटनाओं के रूप में सामने आता है। उत्तरी ध्रुव क्षेत्र जो कि बेहद ठंडे होते हैं वहां भी बढ़ते तापमान का असर दिखाई दे रहा है। वह क्षेत्र भी गर्म हो रहे हैं जिसकी वजह से तूफान और बेमौसमी घटनाओं में इजाफा हो रहा है। मिसाल के तौर पर उत्तर प्रदेश में जीका और डेंगू बढ की वजह भी तापमान में 1.2 डिग्री की बढ़ोतरी ही है, जो कि मच्छरों के प्रसार के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करती है। जलवायु परिवर्तन की एक अन्य प्रमुख वजह मानवीय गतिविधियों के द्वारा जीवाश्म ईंधन का जलाया जाना और वनों की कटाई भी है। इन सभी कारणों से

धरती 1850 (पूर्व औद्योगिक काल) से 1.09 डिग्री सेल्सियस अधिक गर्म हो चुकी है। विशेषज्ञों के मुताबिक बीता दशक (2011-2020) सवा लाख वर्षो में सबसे गर्म दशक के तौर पर दर्ज किया गया है। हर 0.5 डिग्री तापमान की अतिरिक्त वृद्धि धरती को और गर्म बनाएगी, जिसके कारण सूखा और अतिवृष्टि की समस्या प्रबल रूप धारण कर सकती है। ग्रीन हाउस गैसों (कार्बन डाइआक्साइड और मीथेन) के उत्सर्जन में कमी लाने के ठोस प्रयास नहीं किए जाते हैं तो आने वाले वर्षो में न केवल तापमान बढ़ेगा, बल्कि गरीबी की मार झेलने वाली आबादी इसका सबसे बड़ा शिकार बनेगी। इस संदर्भ में इंटर गवर्नमेंटल पैनल आन क्लाइमेट चेंज (आइपीसीसी) की रिपोर्ट पर गौर करें तो तापमान में यदि इसी तरह वृद्धि जारी रही तो दिल्ली-एनसीआर का इलाका भी आने वाले वर्षो में न केवल मानसून की लंबी अवधि, बल्कि भारी और अनियमित वर्षा से त्रस्त रह सकता है। हाल ही में ग्लासगो में आयोजित कान्फ्रेंस आफ पार्टीज (कोप-26) में भारत ने अपना और विकासशील देशों का पक्ष मजबूती के साथ रखा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय फलक पर मांगों की अनदेखी की गई, जो बेहद चिंताजनक है। ज्यादातर विकसित देश कोयले के इस्तेमाल को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने की नसीहत भारत को ही देते रहे, जबकि 15 गुना अधिक तक उत्सर्जन करने वाले विकसित देश अपने उत्सर्जन में कटौती को लेकर चुप्पी साधे रहे। भारत और अन्य विकासशील देशों ने दुनिया के सामने जलवायु परिवर्तन के असर को कम करने के लिए फंड और तकनीक की मांग की, लेकिन विकसित देशों ने पहले की तरह ही इसे अनसुना कर दिया है। यह रवैया गरीब देशों के लिए बेहद घातक है, क्योंकि जलवायु परिवर्तन के सबसे आसान शिकार वही हैं। जलवायु परिवर्तन की समस्या देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग तरीके से व्यवहार कर रही है। इससे निपटने के लिए जरूरी है कि क्षेत्रवार तरीके से जलवायु परिवर्तन की रोकथाम की कार्ययोजनाओं को तैयार करें और उन्हें लागू करें। बाढ़, सूखा, तूफान और बारिश की फ्रीक्वेंसी के लिंक भी तलाशने होंगे। राज्य और जिला व गांव स्तर पर भी जलवायु परिवर्तन से निपटने वाली योजनाओं को लागू करना होगा। अब यह बात नहीं रही कि जलवायु परिवर्तन होगा। बल्कि यह हो रहा है और यह असली संकट बन चुका है। दुनिया भर में कार्बन उत्सर्जन को लेकर रणनीतियां बनाई जा रही हैं, लेकिन भारत में अब भी सस्ता और प्रदूषण फैलाने वाला ईंधन इस्तेमाल किया जा रहा है। हमें यह याद रखना होगा कि कोयले के इस्तेमाल को घटाए बिना हम न तो जलवायु परिवर्तन और न ही वायु प्रदूषण जैसी समस्याओं का समाधान करने में सक्षम हो पाएंगे। स्वच्छ ईंधन सभी की पहुंच में लाना होगा। देश में वाहनों की बढ़ती संख्या जिस तरह से सड़कों का घेराव कर रही है और लोगों को पैदल चलने से हतोत्साहित कर रही है, यह एक असल चुनौती है। वाहनों की संख्या किस तरह से घटाई जा सके, हमें इसके बारे में भी बहुत ही प्रभावी तरीके से सोचना होगा। यह एक कठोर कदम हो सकता है, लेकिन हमारे और भविष्य के लिए काफी फायदे वाला साबित हो सकता है। मौसम की चरम स्थितियों ने भी वायु प्रदूषण को विमर्श के केंद्र में ला दिया है। मौसम के बदलते मिजाज का फसलों पर असर पड़ता है, इसलिए यह अच्छा अवसर है कि किसानों और ग्रामीणों को प्रदूषण के मुद्दे पर और जागरूक किया जाए। सच यह भी है कि जब तक हम खुद नहीं समझेंगे कि हमें अपने कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है तब तक कुछ नहीं होगा। हम सरकार से ही सारी उम्मीद नहीं कर सकते हैं। हम पहले अपने अंदर बदलाव लाएं। हर नागरिक को जागरूक होना पड़ेगा। भारत में वायु प्रदूषण को आमजन के बीच चर्चा का विषय बनाना फिलहाल बहुत मुश्किल है। परंतु यदि इस विषय को स्थानीय स्तर पर निरंतर विमर्श के दायरे में रखा जाए तो धीरे धीरे समाधान की ओर बढ़ा जा सकता है।

गांधी परिवार के नेतृत्व में लगातार कमजोर होती कांग्रेस खुद के साथ ही भारतीय लोकतंत्र को भी क्षति पहुंचा रही है

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद में हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह कांग्रेस और विशेष रूप से राहुल गांधी के निराधार आरोपों का सिलसिलेवार तरीके और तथ्यों के जरिये खोखलापन उजागर किया, वह जितना देश के लिए आवश्यक था, उतना ही खुद कांग्रेस के लिए भी। एक अर्से से राहुल की राजनीति मुख्य रूप से प्रधानमंत्री के प्रति उनकी नफरत पर आधारित है। वह मोदी सरकार पर चुनिंदा उद्योगपतियों के लिए काम करने का आरोप लगाने के साथ यह भी कह रहे हैं कि वह अमीरों और गरीबों के बीच खाई बढ़ा रही है। उनका यह भी आरोप है कि मोदी सरकार मनमाने फैसले लेकर देश के संघीय ढांचे को क्षति पहुंचा रही है। प्रधानमंत्री आम तौर पर ऐसे मिथ्या आरोपों की अनदेखी करते रहे हैं, लेकिन इस बार उन्होंने पहले लोकसभा और फिर राज्यसभा में मुखर होकर न केवल कांग्रेस की बोलती बंद की, बल्कि राहुल के खोखली सोच के समर्थक बुद्धिजीवियों का झूठ भी उजागर किया। प्रधानमंत्री ने यह संदेश भी दिया कि कांग्रेस सरीखे दल का रसातल में जाना ठीक नहीं और अगर उसका यही रंग-ढंग रहा तो अगले सौ साल तक उसे सत्ता से बाहर रहना पड़ सकता है। प्रधानमंत्री ने यह कहकर राहुल गांधी को आईना ही दिखाया कि कांग्रेस कैसे जनता से दूर होते चले जाने के कारण ज्यादातर राज्यों से गायब हो गई है। कांग्रेस को 1962 में आखिरी बार तमिलनाडु में सरकार गठन का मौका मिला था। उत्तर प्रदेश में 1989 में और बिहार में 1990 में। खुद उसके समय में बने तेलंगाना ने भी उसे नहीं अपनाया। कई राज्यों में तो कांग्रेस मुख्य विपक्षी दल भी नहीं रह गई है। जिस उत्तर प्रदेश में वह वापसी का सपना देख रही, वहां उसकी ऐसी हैसियत ही नहीं कि कोई मजबूत दल उससे गठबंधन करता। संसद में अपने संबोधन के दौरान मोदी ने राहुल का नाम तो नहीं लिया, लेकिन यह साफ कर दिया कि वह किस तरह झूठ के सहारे राजनीति कर रहे हैं। राहुल इन दिनों यह कहने में लगे हुए हैं कि मोदी राजा की तरह व्यवहार कर रहे हैं। इस पर प्रधानमंत्री ने उन्हें बताया कि कांग्रेस ने अपने राज में कैसा सामंती सोच दिखाया था। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे लता मंगेशकर के भाई हृदयनाथ मंगेशकर को आल इंडिया रेडियो पर सावरकर की एक कविता पढ़ने के कारण आठ दिनों में ही नौकरी से निकाल दिया गया था। इसी तरह गीतकार मजरूह सुल्तानपुरी और प्रोफेसर धर्मपाल को इसलिए जेल में डाल दिया गया था, क्योंकि उन्होंने नेहरू की आलोचना की थी। मोदी ने कांग्रेस को यह भी स्मरण कराया कि किस तरह प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने लाल किले से महंगाई के लिए कोरियाई युद्ध को जिम्मेदार बताया था। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने एक ऐसी बात भी कह दी, जिसकी कांग्रेस को भारी राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है। उन्होंने कहा कि संविधान में भारत को राष्ट्र नहीं, बल्कि राज्यों का संघ मात्र कहा गया है। प्रधानमंत्री ने उन्हें जवाब दिया कि कांग्रेस का नाम ही इंडियन नेशनल कांग्रेस है और राहुल के दर्शन के मुताबिक तो उसे नेशनल की जगह फेडरेशन कर लेना चाहिए। प्रधानमंत्री ने यह भी याद दिलाया कि कांग्रेस ने कैसे अपने शासनकाल में सौ से किया। यही बताता है कि वह वामपंथी विचारधारा में पूरी तरह डूब चुके हैं और आज के भारत की आकांक्षाओं की समझ नहीं रखते। शायद इसी कारण कांग्रेस मुफ्तखोरी की राजनीति को अपना रही है और यह जानते हुए भी सरकारी नौकरियों पर जोर दे रही कि केवल उनके जरिये बेरोजगारी दूर करना संभव नहीं।

संक्षिप्त समाचार

पुलवामा फिदायीन हमले के तीन साल : एक फोन ने खोले थे के कई राज; फोरेंसिक जांच में मिली थी तस्वीरें और वीडियो

जम्मू। पुलवामा हमले में मुख्य आत्मघाती हमलावर मौके पर ही मारा गया था। साजिश में शामिल बडे आतंकी सुरक्षाबलों ने ढेर कर दिए। उसके बाद एक समय ऐसा लगा कि साजिश से पर्दा नहीं उठ पाएगा। इसी बीच एनआइए को एक मुठभेड़ के बाद मिले फोन ने इस साजिश की परतें उघेड़ कर रख दी। पुलवामा हमले के बाद एनआइए को जांच का जिम्मा सौंपा गया था। अपराध के प्रारंभिक चरणों को मुश्किल से एक साथ जोड़ने में सक्षम थी। फोरेंसिक और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर प्रारंभिक जांच में कुछ सुराग मिले थे लेकिन इससे पूरी साजिश से पर्दा नहीं उठ पा रहा था। एक किताब के अनुसार एक समय ऐसा लगा कि एनआइए की जांच थम गई है, उसी दौरान एजेंसी को मुठभेड़ स्थल से एक क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन मिला। इस मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गए थे। फोन में एक एकीकृत जीपीएस था जो इमेज को जियोटैग करता था। इसमें तस्वीरों और वीडियो की तारीख, समय और स्थान का खुलासा होता था। उसके आधार पर साजिश से पर्दा उठता चला गया।

संजय राउत का दावा, अगले कुछ दिनों में कुछ बीजेपी नेता होंगे सलाखों के पीछे और अनिल देशमुख होंगे जेल से बाहर

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी को केंद्रीय एजेंसियों के इस्तेमाल की धमकी नहीं देनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अगले कुछ दिनों में भाजपा के कुछ नेता सलाखों के पीछे होंगे। जिन नेताओं का वह जिक्र कर रहे थे, उनका नाम लेने से इन्कार करते हुए संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा कि वह मंगलवार को मुंबई में शिवसेना के मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान इसका खुलासा करेंगे, जहां पार्टी के प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि पिछले साल नवंबर में मनी लांड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय संजय राउत ने कहा कि शिवसेना और ठाकरे परिवार के(ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए राज्य के पूर्व मंत्री अनिल देशमुख जल्द ही जेल से बाहर होंगे। भाजपा ने अतीत में महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली महा विकास अघाड़ी एमवीए-शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस) सरकार के नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं।

सडक दुर्घटना में युवक की मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा । दादरी जीटी रोड छपरौला चौकी के पास रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक कननैज निवासी 30 वर्षीय भूपेंद्र ट्रक चालक था। वह बादलपुर के छपरौला स्थित भारत धर्म कांटा के पास गली नंबर-3 में रहता था। वह रोजाना की तरह रात ट्रक को दादरी पार्किंग में खड़ा करके बाइक से अपने घर लौट रहा था। रात करीब 11 बजे वह बाइक से जीटी रोड छपरौला चौकी के पास पहुंचा तो अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

अखिल कुमार लाल को मीडिया क्लब मे आयोजन कमेटी का अध्यक्ष मनोनीत किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा । सेक्टर 29 मीडिया क्लब मे अध्यक्ष पंकज पाराशर की अध्यक्षता में एक बैठक सम्पन्न हुई । जिसमें अध्यक्ष पंकज पाराशर ने अखिल नारायण लाल को प्रेसवार्ता आदि आयोजन कमेटी का अध्यक्ष एवं मीडिया क्लब कार्यालय का सह प्रभारी नियुक्ति किया गया । अध्यक्ष पंकज पाराशर ने बताया कि अखिल नारायण लाल का कार्यकाल मीडिया क्लब मे दो साल का रहेगा । अध्यक्ष पंकज पाराशर नियुक्ति पत्र भी दिया और शुभकामनाएं भी दी।

'लियो-लियो-गैलीलियो' का मतलब जानने के लिए पढिये कुमार विश्वास का ट्वीट, पंजाब चुनाव से जुड़ा है कनेक्शन

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के चलते नेताओं को दल बदल करना जारी है। इस बीच पंजाब में एक विधायक ने 2

महीने के भीतर दो बार राजनीतिक पार्टी बदली। इसको लेकर इंटरनेट मीडिय पर आम लोगों की प्रतिक्रिया के बीच देश के जाने माने कवि कुमार विश्वास ने भी अपने ताजा ट्वीट में कहा है - 'लियो-लियो-गैलीलियो'। लोग इसका मतलब जानना चाह रहे हैं, जिसका कनेक्शन कांग्रेस और भाजपा दोनों से है। हुआ यूं कि पंजाब की श्री हरगोविंदपुर सीट से कांग्रेस के विधायक बलविंदर सिंह लाड़ी ने 28 दिसंबर को भारतीय जनता पार्टी का दामन थामा था। इसके बाद एक सप्ताह के भीतर ही तीन जनवरी को वापस कांग्रेस में चले गए। सबसे रोचक बात यह है कि बलविंदर सिंह लड्डी फिर 11 फरवरी को भारतीय जनता पार्टी में आ गए। इस पर कुमार विश्वास ने ट्वीट किया है- 'लियो-लियो-गैलीलियो'। दरअसल, इस पर अखिलेश नाम के शख्स ने इस खबर को ट्वीट किया तो प्रतिक्रिया में कुमार विश्वास ने ट्वीट कर इस पर कटाक्ष किया। अखिलेश ने ट्वीट किया था- 'करीब 2000 साल बाद फिर साबित हुआ कि दुनिया गोल है। यह असाधारण कार्य पंजाब में हरगोविंदपुर के विधायक बलविंदर सिंह लाडी ने कर दिखाया।

पति के खिलाफ शिकायत की

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ला

नोएडा । महिला ने अपने पति पर कार्यालय में घुसकर अभद्रता करने और धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने इस मामले में महिला थाने में अपने पति के खिलाफ शिकायत दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सेक्टर-100 स्थित सोसाइटी निवासी महिला ने महिला थाने में शिकायत की है कि उसकी शादी वर्ष 2015 में निशांत से हुई थी। आरोप है कि घरेलू हिंसा और उत्पीड़न के कारण वह अपने बेटे के साथ सोसाइटी में ससुरालियों से अलग रहती है। वह सेक्टर-62 स्थित कंपनी में काम करती है। आरोप है कि कुछ समय पहले उनका पति उनके कार्यालय में आया और उनके साथ अभद्रता की और धमकी देने लगा। इस दौरान अन्य कर्मचारियों ने किसी तरह मामला शांत कराया। पीड़िता ने इसकी शिकायत डायल 112 में फोन कर शिकायत की। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बुधवार से कम समय में पूरा होगा दिल्ली से आगरा का सफर

नई दिल्ली। यमुना एक्सप्रेस वे के जरिये दिल्ली से आगरा का सफर तय करना बुधवार से और आसान होगा और कम समय में भी पूरा होगा, क्यों वाहनों की गति सीमा में जल्द इजाफा होने का ऐलान होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि सोमवार देर शाम तक या फिर मंगलवार को यमुना

एक्सप्रेस-वे ओद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से वाहनों की गति सीमा में इजाफा होने के ऐलान कर दिया जाएगा। इसके बाद बुधवार से ही ग्रेटर नोएडा से आगरा तक 165 किलोमीटर लंबे यमुना एक्सप्रेस-वे पर गति सीमा बढ़ जाएगी। नए आदेश के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे पर हल्के वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा पूर्व की तरह 75 किमी प्रति घंटा से बढ़कर 100 किमी प्रति घंटा हो जाएगी। इसी तरह भारी वाहनों की गति सीमा 55 किमी प्रति घंटा से 60 किमी प्रति घंटा हो जाएगी यमुना एक्सप्रेस वे पर मंगलवार से गति सीमा पूर्व की तरह 100 किलोमीटर प्रति घंटा हो जाएगी। अभी यह गति सीमा 80 किलोमीटर प्रति घंटा अधिकतम है। सदिन्यों में कोहरे के कारण होने वाले हादसों को देखते हुए यमुना प्राधिकरण ने गति सीमा को 100 के बजाय 80 किलोमीटर प्रति घंटा करने के जेपी इंफ्राटेक को निर्देश दिए थे। यमुना एक्सप्रेस-वे के टोल प्लाजा पर बिना फास्ट टैग वाले वाहन चालकों को दोगुना टोल टैक्स देना पड़ रहा है। केंद्र सरकार के आदेश के बाद यमुना एक्सप्रेस-वे प्रशासन ने इस नियम को लागू कर दिया है। यमुना एक्सप्रेस-वे टोल प्लाजा के प्रबंधक जे पी शर्मा के मुताबिक, केंद्र सरकार ने सभी एक्सप्रेस- वे पर फास्ट टैग को अनिवार्य कर दिया है। इसके तहत यमुना एक्सप्रेस-वे पर भी बिना फास्टैग वाले वाहनों से पहले से ही दोगुना कर वसूला जा रहा है। इससे पहले से निजी एक्सप्रेस-वे होने के चलते यमुना एक्सप्रेस-वे पर यह नियम लागू नहीं था, लेकिन सोमवार से ही यह नियम लागू होने से अब बिना फास्टैग वाले वाहनों को दोगुना टोल टैक्स देना पड़ रहा है।

नीतीश बोले-समाजवाद पर पीएम नरेन्द्र मोदी के विचार एकदम सही, परिवारवादियों का भविष्य नहीं

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नीतीश कुमार को सच्चा समाजवादी बताने बिहार सीएम ने सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया दी। जनता दरबार में मुख्यमंत्री कार्यक्रम

के बाद मीडिया से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सब जार्ज फर्नांडिस और राम मनोहर लोहिया के शिष्य रहे हैं। पीएम ने जो कहा है वह एकदम सही है। समाजवाद का निर्माण जार्ज फर्नांडिस और राम मनोहर लोहिया ने किया भी और उसे चलाया। नीतीश ने कहा कि हम पूरे बिहार को एक परिवार मानते हैं। इस दौरान बिना नाम लिए सीएम ने राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर हमला किया। कहा कि जिनके लिए उनका परिवार ही समाज है उनका राजनीतिक भविष्य लंबा नहीं हो सकता। इस दौरान विशेष राज्य के मुद्दे पर नीतीश ने कहा कि हम दर्जा दिए जाने की मांग करते रहेंगे, करना न करना केंद्र सरकार का काम है। नीतीश कुमार ने कहा कि हम बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग करते रहेंगे। निर्णय लेना केंद्र सरकार का काम है। सीएम ने कहा कि यह बिहार ही नहीं सभी पिछड़े राज्यों का मसला है। समाजवाद पर नीतीश ने कहा कि लोग अपने घर को ही परिवार कहते हैं। उसी परिवार के विकास पर बने रहते हैं तो समाजवाद खत्म हो जाता है। बहुत से लोग केवल परिवार को प्रतिष्ठा देते हैं। नीतीश ने नाम लिए बिना लालू पर हमला किया। कहा कि पतनें व लड़के के लिए ही काम करना कहां का समाजवाद है नीतीश ने कहा कि राजनीति में अपने परिवार पर केंद्रित रहने वालों का एक समय ऐसा आएगा कि कोई भविष्य नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह तो छात्र जीवन से ही समाजवाद से प्रभावित रहे हैं। जब से राजनीति में आए है तब से इस पर चल रहे। दूसरे लोग जो पार्टी चलाते हैं वह पार्टी के अंदर किसी और को प्रतिष्ठा नहीं दे रहे। यह परिवारवाद नहीं तो और क्या है लोगों को जितना बोलना है बोलते रहें, प्रधानमंत्री तो कह ही दिया है।

पश्चिमी विक्षोभ हो रहा सक्रिय, हरियाणा में बदलेगा मौसम, 24 घंटे में दिखेगा असर

करनाल। हरियाणा में मौसम अब पूरी तरह से साफ हो चुका है, लेकिन अब तीन पश्चिमी विक्षोभ का एक के बाद एक आगमन होगा, इसका असर पहाड़ी मैदानों पर तो

देखने को मिलेगा, लेकिन मैदानी क्षेत्रों में पहाड़ों में बर्फबारी बढ़ने से रात के समय ठंड अधिक महसूस होगी। हालांकि दिन के समय मौसम साफ होने के कारण ठंड से राहत मिली रहेगी। उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में दिसंबर के महीने में शीत लहर की स्थिति नहीं देखी गई। हालांकि, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तरी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में ठंड के दिन बहुतायत में थे। फरवरी का महीना पश्चिमी हिमालय में भारी हिमपात और उत्तर पश्चिम भारत में तापमान में गिरावट के साथ शुरू हुआ। पिछले कुछ दिनों से मौसम लगभग शुष्क है और अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे वृद्धि हो रही है। हालांकि उत्तर पश्चिम भारत के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान अभी भी सामान्य से नीचे है। हमें अगले 2-3 दिनों में न्यूनतम तापमान में ज्यादा बदलाव की उम्मीद नहीं है। इसके बाद न्यूनतम और अधिकतम में क्रमिक वृद्धि हो सकती है। अगले सप्ताह के दौरान पश्चिमी हिमालय पर छिटपुट हिमपात जारी रह सकता है। पश्चिमी विक्षोभ की श्रृंखला जो पहाड़ी राज्यों की ओर बढ़ेगी, देश के उत्तरी भाग पर पश्चिमी हवाओं को हावी नहीं होने देगी। इसलिए न्यूनतम तापमान में खासी गिरावट नहीं आएगी। केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान के मुताबिक इस समय एक कमजोर चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र श्रीलंका और उससे सटे इलाकों पर बना हुआ है। पश्चिमी विक्षोभ के 13 फरवरी की रात तक पश्चिमी हिमालय तक पहुंचने की उम्मीद है। लेकिन मैदानों में इसका असर नही होगा। मौसम विभाग का मानना है कि पहाड़ों में बर्फबारी का असर मैदानी क्षेत्रों में ठंड के रूप में बना रहेगा। संभव है कि फरवरी के बचे दिन भी अच्छी-खासी ठंड में ही बीतेंगे। यह जरूर कहा जा सकता है कि अब सर्दी अंतिम पड़ाव में पहुंच चुकी है।

बिहार में डीबीटी का लाभ न लेने वालों का भी बनेगा डाटा बेस, नए पोर्टल पर कराएं रजिस्ट्रेशन

पटना। कैबिनेट के फैसले के बाद वित्त विभाग हरेक परिवार के लिए अलग डाटा बेस तैयार करने में जुट गया है। इसे कामन सोशल रजिस्ट्री पोर्टल का नाम दिया गया है। इस पर वैसे लोग भी अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं, जिन्हें फिलहाल डीबीटी का लाभ नहीं मिल रहा है। भविष्य में जब कभी उन्हें पात्रता हासिल होगी, बिना किसी आवेदन के उन्हें लाभ मिल जाएगा। इस मामले में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की जवाबदेही वित्त विभाग को दी गई है। विभाग ने संकल्प के जरिए अन्य विभागों से कहा है कि वह कामन डाटा बेस तैयार करने की दिशा में जरूरी पहल करें। वित्त सचिव (संसाधन) लोकेश कुमार सिंह के हस्ताक्षर से जारी संकल्प में कहा गया है कि नए लाभुक इसी पोर्टल पर अपना निबंधन कराएं। इसके लिए आधार नंबर की जरूरत होगी। पहले से सभी पोर्टल पर निबंधित लाभुकों का विवरण इसी पोर्टल पर ट्रांसफर किया जा रहा है। इससे पहले नागरिकों के खाते में नकद भुगतान की सुविधा के लिए हरेक विभाग का अलग-अलग डाटा बेस तैयार किया गया था। वित्त सचिव के अनुसार इससे योजनाओं के कार्यान्वयन में परेशानी होती थी। अधिक समय भी लगता था। अब एक डाटा बेस तैयार होने पर यह परेशानी समाप्त हो जाएगी। सरकार की कई योजनाएं हैं। उसमें एक ही परिवार के सदस्य अलग अलग विभागों से योजना का लाभ उठाते हैं। एक ही परिवार में जच्चा बच्चा के लिए स्वास्थ्य विभाग धन देता है। स्कूल जाने वाले बच्चों को नम्बर टैग रहेगा। परिवार के मुखिया के आधार नम्बर से ही पता चल जाएगा कि अन्य सदस्य सरकार की किन योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। अवयस्क बच्चों के हिस्से का भुगतान परिवार के मुखिया के खाते में होगा। पोर्टल पर निबंधन के लिए आधार नम्बर

शिक्षा विभाग की योजनाओं का लाभ मिलता है। वृद्ध सदस्य समाज कल्याण विभाग तो खेती-किसानी से जुड़ी योजनाओं का लाभ कृषि विभाग देता है। यानी एक ही परिवार के अलग-अलग सदस्यों को लाभ देने के लिए कई डाटा बेस का सहारा लिया जाता है। प्रस्तावित कामन सोशल रजिस्ट्री पोर्टल में परिवार के मुखिया के आधार नंबर के साथ अन्य सदस्यों का आधार दर्ज करना होगा। उससे जुड़े मोबाइल पर ओटीपी जाएगा। उसे दर्ज करने पर पेज खुलेगा। उसमें जरूरी जानकारी दर्ज करने पर आनलाइन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। पूरी कवायद से राज्य सरकार के पास हरेक परिवार का डाटा बेस तैयार होगा। इससे सरकारी योजनाओं के निर्माण एवं बजट आवंटन में मदद मिलेगी।

हिमाचल प्रदेश में 17 फरवरी से खुलेंगे सभी स्कूल, जिम और सिनेमाहाल खोलने को भी मिला

मंजूरीशिमला। हिमाचल प्रदेश में सभी स्कूल 17 फरवरी से खुल जाएंगे। हिमाचल प्रदेश मंत्रिमंडल ने मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में निर्णय लिया है कि पहली से लेकर 12 तक सभी कक्षाओं के विद्यार्थी स्कूल आएंगे। उनकी कक्षाएं नियमित रूप से लगेंगी। इससे पहले केवल 11वीं और 12वीं कक्षा के ही विद्यार्थी स्कूल आ रहे थे। गौरतलब है कि कोरोना के कारण स्कूल बाधित रहे हैं। इसके साथ ही मंत्रिमंडल ने जिम और सिनेमाहाल खोलने को भी स्वीकृति प्रदान कर दी है। उधर, मंत्रिमंडल ने यह निर्णय भी लिया है कि अगर कर्मचारी की मृत्यु सेवाकाल में हो जाती है तो उन्हें सारे लाभ पुरानी पेंशन स्कीम वाले कर्मचारी की तरह मिलेंगे। मंत्रिमंडल ने एक अन्य निर्णय में न्यूनतम पारिवारिक पेंशन अब 3500 रुपये के बजाय 9000 रुपये होगी। विधानसभा में राज्यपाल के बजट अभिभाषण को भी स्वीकृति मंत्रिमंडल ने दे दी है। हिमाचल प्रदेश में आठ पद अनुबंध आधार पर सब फायर आफिसर के पदों को भरने की मंजूरी भी दी है। कुछ सब फायर आफिस भी खोले जाएंगे। अटल रोहतांग सुरंग के दक्षिण छोर पर भी सब फायर स्टेशन खोलने को अनुमति दी है।

चारा घोटाला में लालू यादव के अलावा आठ मह?िलाएं भी अभ्युिक्त सुनिए- एक महिला ने कोर्ट से क्या कहा

रांची। चारा घोटाला के सबसे बड़े मामले में 15 फरवरी को फैसला आना है। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद एवं 8 महिलाओं सहित 99 आरोपित मुकदमे का सामना कर रहे हैं। मुकदमे का सामना कर रहे आपूर्तिकर्ता मोहम्मद सईद एवं उसकी पतनें सैरून निशा ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए फैसले के दिन अदालत में व्यक्तिगत पेशी से छूट से संबंधित आवेदन दिया है। उनकी ओर से कई बीमारियों का हवाला दिया। जबकि सैरूनिशा की ओर से कहा गया है कि हाल ही में एक बड़ा ऑपरेशन हुआ है। हालांकि अदालत ने अब तक इस पर कोई आदेश पारित नहीं किया है। बता दें कि 29 जनवरी को बचाव पक्ष की ओर से बहस पूरी होने के बाद

सीबीआइ के विशेष न्यायाधीश एसके शशि की अदालत ने मामले में फैसले के लिए 15 फरवरी की तिथि निर्धारित की है। फैसले की दिन सभी आरोपितों को अदालत में व्यक्तिगत रूप से मौजूद रहने का निर्देश है। चारा घोटाला मामले की सुनवाई कर रही सीबीआइ कोर्ट में जमा दस्तावेजों के अनुसार, अभियुवतों की सूची में जो महिलाएं शामिल हैं वह सभी किसी न किसी आपूर्ति कंपनी से संबंध रखती हैं। इनमें कई महिलाएं जहां आपूति कंपनियों की पार्टनर हैं, तो कई महिलाएं प्रोपराइटर भी हैं। यह महिला अभियुवत रांची, पटना, दिल्ली की रहने वाली हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि इन महिलाओं के नाम पर कंपनियां खोलकर चलाई जाती थीं। चारा घोटाला उजागर होने के बाद जब सीबीआइ ने कार्रवाई शुरू की तो इन कंपनियों की संचालिका होने के कारण यह महिलांए अभियुवत बन गई। संभव है इनमें से कई महिलाएं खुद भी कंपनी संचालति कर रही होंगी। अब देखना दिलचस्प होगा कि इन महिलाओं के बारे में अदालत क्या फैसला सुनाती है।

जालंधर रैली में पीएम मोदी ने दिया नवां पंजाब का संकल्प, कहा- डबल इंजन की सरकार करेगी विकास

जालंधर। पंजाब विधानसभा चुनाव में यहां पीएपी ग्राउंड में रैली भाजपा गठबंधन की रैली प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पहुंच गए हैं। उन्होंने नवां पंजाब का नारा दिया और कहा कि नवा पंजाब भाजपा दे नाल, नवा पंजाब नवा टीम के साथ। पंजाब भी अब डबल इंजन की सरकार से विकास होगा और बदलाव होगा। उन्होंने बोले सो निहाल के घोष से अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि मैं

जालंधर के देवी तालाब मंदिर में माता जी के दर्शन करने जाना चाहता था, लेकिन यहां की पुलिस ने अपने हाथ खड़े कर लिये। ये हालत है पंजाब में प्रशासन का। उन्होंने पंजाब के शहीदों को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मेरा पंजाब से खास लगाव मिला है। मैं पंजाब की सेवा करता रहा हूं। मेरी ये सेवा नवा पंजाब के संकल्प से शुरू हो गया है। अब पंजाब का भाजपा गठबंधन सरकार के साथ विकास होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि गुरु नानक देव जी ने संदेश दिया- मानस की जात सभौ एक ही पहिचानो। भाजपा इन्हीं आदर्शों पर काम करती है। भव्य काशी धाम हमारे सामने है। हमने करतारपुर कारिडोर बनवाया। मैं आश्वासन देना चाहता हू कि पंजाब के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। नशामुक्ति के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पीएम मोदी ने कहा, मैं सवाल पूछता हूं, आपके पास खेत है, गाड़ी है, अच्छी कमाई है, लेकिन आपका जवान बेटा नशे में डूब गया तो यह सब किस काम आएगा। बेटा बर्बाद हो गया तो आपके लिए क्या बचेगा। पंजाब का मुझ पर कर्ज है, मैं कर्ज चुकाना चाहता हूं। मैं इस युवा पीढ़ी का बचाना चाहता हूं। माताओं-बहनोंसे कहना चाहता हूं कि मैं आपका दुख जानता हूं। मुझे आशीर्वाद दीजिए। अपनी पीढ़ी को आशीर्वाद दीजिए। मैं आपके लिए अपनी जिंदगी खपाना चाहता हूं। मैं आपके सपनों को साकार करना चाहता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा के राज में बिना खौफ के कारोबार होगा। डबल इंजन सरकार बिना भेदभाव पक्के मकान बना कर दे रही है। राशन दे रही है। ऐसी सरकार पंजाब में सड़कें बनाएगी। जालंधर समेत पूरे क्षेत्र में कनेक्टिविटी को बढ़ाया जाएगा। 23 लाख से ज्यादा किसानों के खातों में किसान सम्मान निधि का पैसा जमा हुआ है। हमने पूरी ईमानदारी से प्रयास किया है। हम किसानों पर बोझ नहीं आने देंगे। सारा बोझ हमने लिया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व, गुरु तेग बहादुर जी का प्रकाश पर्व व बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती विश्व में मनाई। उन्होंने गुरु गोबिंद सिंह जी के सम्?मान में वीर बाल दिवस की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हम देश की सीमा को मजबूत करते हैं। सेना को अधिकार करते हैं, जबकि कुछ लोग शहादत पर सवाल उठाते हैं। हमने 84 के दंगों की जांच के लिए एसआइटी बनाई। कांग्रेस ने इस दंगे के आरोपितों को बड़े पद देकर पंजाब के जख्मों पर नमक छिड़का। कांग्रेस एक परिवार के कब्जे में है। कांग्रेस का कंट्रोल जिस परिवार के पास है, वो पंजाब से अपनी पुरानी दुश्मनी निकालता है। जब तक कांग्रेस उस परिवार के कब्जे में है, कभी भी पंजाब का भला कांग्रेस नहीं कर सकती है।

अक्षय कुमार ने पुलवामा में शहीद हुए जवानों को याद कर दी श्रद्धांजलि, कहा- 'सवोच्च बलिदान के लिए हमेशा आभारी रहेंगे'

नई दिल्ली। 14 फरवरी, 2019 को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में हुए आंतकी हमले में सीआरपीएफ के 40 जवान शहीद हुए थे। सोमवार को हमारे देश के जवानों की शहादत को 3 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट शेयर कर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की अभिनेता ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट शेयर कर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लिखा, 'पुलवामा में आज ही के दिन अपनी जान गंवाने वाले हमारे सभी वीर जावनों को मेरी भावभीनी श्रद्धांजलि। हम उनके और उनके परिवारों द्वारा दिए इस सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा आभारी रहेंगे।' वहीं, सोशल मीडिया पर फैंस भी पुलवामा हमले में शहीद हुए जवानों के बलिदान को याद करते हुए पोस्ट शेयर कर श्रद्धांजलि दे रहे हैं। बता दें, 14 फरवरी, 2019 को पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद आतंकी संगठन ने पुलवामा में आसीआरपीएफ के काफिले पर घात लगाकर हमला किया था। इस दर्दनाक घटना में देश के 40 जवान शहीद हो गए थे। वहीं बात अगर

उनके वर्कफ्रंट की करें तो वो साल 2022 में बैक टू बैक कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। अभिनेता जल्द ही चंद्र प्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी फिल्म पृथ्वीराज में मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड में डेब्यू कर रही अभिनेत्री मानुषी छिल्लर और रियल लाइफ हीरो सोनू सूद भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अभिनेता माइथोलॉजी फिल्म 'राम सेतु' में आर्कियलॉजिस्ट का किरदार में नजर आने वाले हैं, जो फिल्म में गुफाओं में से राम सेतु की लोकेशन तक पहुंचते हुए दिखाया जाएगा। साथ ही 'बच्चन पांडे', 'रक्षा बंधन' के मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

पति संग स्वमिंग पूल में उतरीं शेफाली जरीवाला, बिकिनी में बोल्ड पोज देते हुए किया वैलेंटाइन डे विश

नई दिल्ली। दुनियाभर में आम से लेकर खास तक आज अपने पार्टनर के साथ वैलेंटाइन डे मना रहे हैं। इनमें टीवी और बॉलीवुड के कई सितारों का भी नाम शामिल है। अब तक कई फिल्मी सितारे सोशल मीडिया के जरिए अपने पार्टनर को प्यार के इस दिन की बधाई दे चुके हैं। कांटा लगा गाने से मशहूर हुईं टीवी अभिनेत्री शेफाली जरीवाला ने तो बेहद अलग अंदाज में पति अभिनेता पराग त्यागी को वैलेंटाइन डे विश किया है। उन्होंने वैलेंटाइन डे के मौके पर पति पराग त्यागी के साथ सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इनमें से कुछ तस्वीरों में शेफाली जरीवाला का हॉट और बोल्ड अंदाज भी देखने को मिला है। शेफाली जरीवाला सोशल मीडिया पर हमेशा एक्टिव रहती हैं। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अपनी खास तस्वीरें और वीडियो भी शेयर करती रहती हैं। वैलेंटाइन डे पर शेफाली जरीवाला ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम पर पति पराग त्यागी के साथ अपनी रोमांटिक तस्वीरें शेयर की हैं। अपनी इन तस्वीरों को अभिनेत्री ने महीनों का नाम देकर शेयर किया है। कुछ तस्वीरों में शेफाली जरीवाला और पराग त्यागी बेहद रोमांटिक अंदाज में नजर आ रहे हैं। वहीं एक तस्वीर में अभिनेत्री मोनोकिनी पहन पति संग स्वमिंग पूल में भी एन्जॉय करती नजर आ रही हैं। वहीं अन्य दो तस्वीरों में शेफाली जरीवाला बिकिनी में भी दिखाई दे रही हैं। इन सभी तस्वीरों

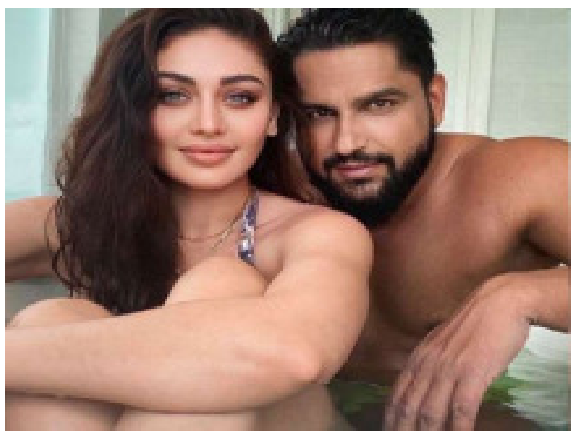

को शेयर करते हुए उन्होंने फैंस और पराग त्यागी को वैलेंटाइन डे विश किया है। शेफाली जरीवाला ने तस्वीरों के कैप्शन में लिखा, 'जिंदगी तब बहुत अच्छी होती है जब हम साथ होते हैं, हैप्पी वैलेंटाइन डे।' सोशल मीडिया पर पति के साथ अभिनेत्री की यह सभी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। शेफाली जरीवाला और पराग त्यागी के फैंस उनकी सभी तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर इन दोनों को वैलेंटाइन डे भी विश कर रहे हैं। आपको बता दें कि शेफाली जरीवाला साल 2002 में 'कांटा लगा' गाने से लाइमलाइट में आ गई थीं। इस गानें ने न सिर्फ शेफाली को रातोंरात हिट बनाया था बल्कि उन्हें 'कांटा लगा गर्ल' का टैग भी दिया। इसके बाद फिल्मों एक्टिंग करने का फैसला किया। शेफाली जरीवाला और पराग त्यागी ने साल 2014 में एक-दूसरे से शादी की है। इसके बाद से दोनों अक्सर चर्चा में रहते हैं।

मल्लिका शेरावत ने पार ही हदें, इतनी बोल्ड ड्रेस पहन फैंस को किया विश

नई दिल्ली। मल्लिका शेरावत बॉलीवुड की बेहद बोल्ड एक्ट्रेसेस में से एक हैं। वह बहुत सी फिल्मों में बेहद हॉट और बोल्ड सीन दे चुकी हैं। फिल्मों के अलावा मल्लिका शेरावत निजी जिंदगी में भी काफी बोल्ड हैं। उनकी हॉट और बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर अक्सर छाई रहती हैं। अब मल्लिका शेरावत ने बेहद बोल्ड अंदाज के साथ अपने फैंस को वैलेंटाइन डे विश किया है दुनियाभर में आज वैलेंटाइन डे मनाया जा रहा है। बॉलीवुड सितारे भी अपने फैंस को इस दिन पर खास अंदाज में विश कर रहे हैं। मल्लिका शेरावत ने सोशल मीडिया पर अपनी काफी बोल्ड तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ उन्होंने फैंस को वैलेंटाइन डे विश किया है। मल्लिका शेरावत सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं। वह अपने फैंस के लिए खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। वैलेंटाइन डे के मौके पर मल्लिका शेरावत ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में वह ग्रे कलर की बोल्ड ड्रेस में नजर आ रही हैं। इस ड्रेस में मल्लिका शेरावत बोल्ड अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को देखकर कहा जा सकता है कि मल्लिका शेरावत एक बार फिर से अपने पुराने हॉट और बोल्ड अंदाज में दिखाई दे रही हैं। अपनी इस तस्वीर को शेयर करते हुए मल्लिका शेरावत ने फैंस को वैलेंटाइन डे विश किया है। सोशल मीडिया

पर मल्लिका शेरावत की यह हॉट और बोल्ड तस्वीर तेजी से वायरल हो रही है। अभिनेत्री के फैंस तस्वीर को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बात करें अभिनेत्री के वर्कफ्रंट की तो मल्लिका शेरावत पिछले साल रिलीज हुई वेब सीरीज 'नकाब' में नजर आईं थीं।

इंतजार खत्म अजय देवगन की डेब्यू वेब सीरीज 'रूद्र' इस तारीख को होगी रिलीज, देखें नया ट्रेलर

नई दिल्ली। अजय देवगन की डेब्यू वेब सीरीज रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस की रिलीज डेट रिवील कर दी गयी है। सोमवार को मुंबई में एक इवेंट के जरिए फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया गया, जिसमें अजय देवगन के साथ फिल्म की स्टार कास्ट मौजूद रही। पुलिस अफसर खाकी पहनकर काम नहीं करता, बल्कि अंडर कवर रहकर मुंबई के अपराध की अंधेरी गलियों में क्रिमिनल्स को ढूंढता और ठिकाने लगाता है। 6 एपिसोड्स की सीरीज में अजय के किरदार का नाम रूद्रवीर सिंह है। रूद्र अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी उलझा

रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस एक क्राइम सीरीज है, जिसका निर्देशन राजेश मापूसकर ने किया है। सीरीज 4 मार्च को डिजनी प्लस हॉटस्टार पर स्ट्रीम की जाएगी। इस सीरीज में अजय एक बार फिर पुलिस अफसर के किरदार में दिखायी देंगे, मगर इस बार उनका अंदाज सिंघम वाला नहीं है। यह हुआ है। सीरीज में एशा देओल, राशि खन्ना, अतुल कुलकर्णी, अश्विनी कालसेकर, मिलिंद गुणाजी और लूक केनी विभिन्न किरदारों में दिखेंगे। रूद्र- द ऐज ऑफ डार्कनेस का ट्रेलर दो हफ्तों पहले रिलीज किया गया था। बता दें, रूद्र ब्रिटिश टीवी शो लूथर का भारतीय रूपांतरण है। नील क्रॉस रचित सीरीज में इदरिस एल्बा ने डीसीआई जॉन लूथर का रोल निभाया था। इदरिस अंडरकवर पुलिस ऑफिसर के किरदार में थे। एलिस मोर्गन रूथ विल्सन के रोल में थीं। 2010 से 2019 के बीच इस शो के 5 सीजन आ चुके हैं। पहले सीजन में 6 एपिसोड्स थे। बीबीसी वन पर इसका प्रसारण हुआ था। रूद्र सीरीज का निर्माण अप्लॉज एंटरटेनमेंट और बीबीसी स्टूडियोज ने मिलकर किया है। हॉटस्टार इससे पहले ब्रिटिश सीरीज डॉक्टर फॉस्टर का इंडियन अडेप्टेशन आउट ऑफ लव और क्रिमिनल जस्टिल का इसी टाइटल से भारतीय रूपांतरण ला चुका है। सीरीज हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कनन्ड़, मराठी, मलयालम और बंगाली भाषा में भी रिलीज होगी। रूद्र से पहले अजय 25 फरवरी को रिलीज हो रही आलिया भट्ट स्टारर संजय लीला भंसाली की फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी में एक अहम किरदार में दिखायी देंगे। रूद्र के बाद 25 मार्च को रिलीज हो रही फिल्म आरआरआर में भी अजय भूमिका में नजर आएंगे। अप्रैल में अजय के निर्माण-निर्देशन में बनी फिल्म रनवे 34 रिलीज होगी। मैदान भी इसी साल रिलीज होने वाली है।

'कृष्णा छोटा है, गोविंदा को उन्हें माफ कर देना चाहिए' मामा और भाई की लड़ाई पर आरती सिंह ने दिया रिएक्शन

नई दिल्ली। 'बिग बॉस 13' की कंटेस्टेंट आरती सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। अक्सर वो अपने डांस वीडियो शेयर कर फैंस को इम्प्रेस करने का कोई मौका नहीं छोड़तीं हैं। आरती को उनके मामा गोविंद और भाई पॉपुलर कॉमेडियन कृष्ण अभिषेक की वजह से भी जाना जाना है। फिलाहल तो कृष्णा अपने मामा गोविंदा से विवाद के कारण खबरों में छाए रहते हैं। हाल ही में आरती ने गोविंदा और कृष्णा की कॉन्ट्रोवर्सी पर अपना रिएक्शन दिया। उन्होंने कहा कि परिवार की सदस्य होने के नाते मुझे लगता है अब समय आ गया है कि उन्हें अपने मतभेदों को भूल जाना चाहिए। डीएनए से बातचीत के दौरान, 'वारिस' की एक्ट्रेस ने कहा कि अब ये लड़ाई बंद होना चाहिए। कृष्णा छोटा है तो मामा को बड़ा बनकर उसे माफ कर देना चाहिए। आरती ने आगे कहा, 'परिवार भगवान का उपहार है हम भगवान की कृपा से एक परिवार बनने के लिए चुने जाते हैं। परिवार साथ में हो तो वही अच्छा है।

मौनी रॉय ने पति सूरज नांबियार को विश किया वैलेंटाइन डे, शेयर की रोमांटिक तस्वीरें

नई दिल्ली। बॉलीवुड और टीवी एक्ट्रेस मौनी रॉय इन दिनों मीडियो में खूब सुर्खियों बटोर रही हैं। पहले अपना पहला वैलेंटाइन डे मना रहे हैं। इस मौके पर मौनी ने पति सूरज को सोशल मीडिया पर स्पेशल नोट

अपनी शादी फिर हनीमून और अब वैलेंटाइन डे को लेकर। शादी के बाद मौनी और सूरज नांबियार लिख वैलेंटाइन डे विश किया और अपनी कुछ रोमांटिक फोटोज भी शेयर की। न्यूली वेड कपल की ये तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही है। मौनी रॉय ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर फोटोज की एक सीरीज शेयर की है। जिनमें वह सूरज नांबियार के साथ क्वालिटी टाइम बिताते दिख रही हैं। पोस्ट शेयर करते हुए मौनी ने कैप्शन में लिखा, 'आपके साथ हर दिन कितना मजेदार होता है हैप्पी लव डे बेबी।' तस्वीरों में मौनी के कई अलग-अलग अंदाज देखने को मिल रहे हैं। एक तस्वीर में एक्ट्रेस ब्लैक कलर की ड्रेस पहने सूरज संग पेड़ो के बीच बैठी सनसेट एंजॉय करती नजर आ रही है' तो एक तस्वीर में दोनो रोमांटिक होते भी दिखे। हाल ही में मौनी और सूरज हनीमून से वापस आए लौटे हैं। दोनों को मुंबई एयरपोर्ट पर पैपराजी ने स्पॉट किया था और दोनों ने कैमरे के लिए खूब सारे पोज भी दिए। एयरपोर्ट पर जहां सूरज व्हाइट टी शर्ट, ओपन ब्लैक लेदर जैकेट और ब्लू जींस में नजर आए थे तो वहीं इस दौरान मौनी रेड व ब्लैक ट्रैकसूट में गॉगल्स और ओपन हेयर्स के साथ गजब की स्टाइलिश नजर आ रही थीं। हाथो में हाथ डाले एयरपोर्ट पर आते हुए कपल की केमिस्ट्री देखते ही बन रही थी। आपको बता दें कि मौनी और सूरज हनीमून के लिए कश्मीर के गुलमर्ग गए थे। दोनों की हनीमून की तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई थी। जिनमें कुछ में मौनी बर्फ से ढकी पहाडियों के बीच सने फॉल एंजॉय करती नजर आईं थी तो कुछ में गुलमर्ग की हसीन वीदियो में सूरज संग घूमती दिखी थी। मौनी रॉय और सूरज नांबियार ने इसी साल 27 जनवरी को गोवा में डेस्टिनेशन वेडिंग की थी। दोनों ने मलयाली और बंगाली रीति-रिवाजों से शादी की थी। उनकी शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हुई थीं। जिनमें मौनी के कई खूबसूरत लुक देखने को मिले थे

एक दूसरे का हाथ थामे नजर आए बबीता जी और जेठालाल, सामने आया रोमांटिक वीडियो

नई दिल्ली। टीवी के सबसे पॉपुलर शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के फैंस को ये अच्छी तरह से पता है कि जेठालाल के दिलों की धड़कन बबीता जी हैं। बबीता जी की एक झलक पाने के लिए जेठालाल बेचैन हो जाते हैं। वैलेंनटाइन डे के मौके पर बबीता जी और जेठालाल का एक रोमांटिक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में जेठालाल और बबीता जी हाथों में हाथ और आंखों में आंखें डाले नजर आ रहे हैं। तारक मेहता का उल्टा चश्मा में पिछले 13 सालों से काफी कुछ बदला है, कई किरदार शो में आए कई गए। जो नहीं बदला वो है बबीता जी के लिए जेठालाल का प्यार। बरसों से जेठालाल, बबीता जी की एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। अब इस एक रोमांटिक वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल हो रहा है। इसमें मुनमुन दत्ता और दिलीप जोशी डांस प्रैक्टिस करते नजर आ रहे हैं। इस किसी इवेंट से पहले की तैयारी लगती है, दोनों काफी दिल लगाकर रिहर्सल कर रहे हैं। वहीं एक दूसरे वीडियो में जिलीप जोशी ने अपने वैलेंटाइन डे के प्लान के बारे में बात की। ये पूछे जाने पर कि वो अपना वैलेइनटाइन डे कैसे मनाते हैं, जेठालाल ने कहा कि वो कुछ नहीं करते इस दिन के लिए। वो सिर्फ भारतीय त्यौहार मनाते हैं, इन विदेशी दिनों को मनाने की कोई जरूरत नहीं। स्टैंड-अप कॉमेडियन सौरभ पंत के साथ एक पॉडकास्ट में, दिलीप जोशी ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के नीरस होने पर रिएक्शन दिया और प्रशंसकों ने शिकायत की कि एपिसोड पहले जैसा अच्छा नहीं है, उन्होंने कहा, 'हर दिन लेखकों को नए विषयों को खोजना पड़ता है। आखिर वो भी तो इंसान हैं। मैं मानता हूं कि सभी एपिसोड उस स्तर के नहीं हो सकते, जब आप इतने लंबे समय तक डेलीसोप कर रहे हों। जहां तक कॉमेडी का सवाल है, मुझे लगता है कि कुछ एपिसोड सच में सही नहीं हैं। अभिनेता ने अपनी मीम लाइन को भी सुधारते हुए कहा, ये जो 'पागल औरत' वाला था, वो मैंने इंप्रूव किया किया। सेट पर एक बार ऐसी स्थिति आई थी पर, जिस तरह से दया ने प्रतिक्रिया दी, तो सीन करते करते मेरे मुंह से निकल गया, 'ऐ पागल औरत!' मतलाब, 'क्या, कुछ भी बोल रही है!' लेकिन बाद में, इस लाइन पर कुछ महिला संगठनों को आपत्ति हो गई थी, जिसके बाद मुझे कहा गया कि आगे से आप ये लाइन नहीं बोलेंगे।

प्राइम वीडियो की सबसे बड़ी सीरीज 'द रिंग्स ऑफ पॉवर' का पहला टीजर जारी, 6 भाषाओं में होगी रिलीज

नई दिल्ली। एपिक फेंटेसी एडवेंचर फिल्म द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स फिल्म सीरीज की दुनियाभर में भारी फैन फॉलोइंग है। अब अमेजन प्राइम वीडियो पर इन फिल्मों की प्रीक्वल वेब सीरीज लॉर्ड ऑफ द रिंग्स- द रिंग्स ऑफ पॉवर आ रही है। द रिंग्स ऑफ पॉवर की कहानी, द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स फिल्मों से पहले की घटनाओं को दिखाया जाएगा। लगभग एक मिनट के टीजर में इस सीरीज के दृश्यों की भव्यता और विशालता का अंदाजा हो जाता है और मिडिल अर्थ की सेकंड एज की झलक दिखाया गयी है। युवा गैरड्रील को एक पहाड़ पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। सीरीज की कहानी इसी किरदार के नजरिए से आगे बढ़ेगी। द रिंग्स ऑफ पॉवर प्राइम की सबसे महंगी और बड़ी सीरीज बतायी जा रही है। द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स सीरीज की पहली फिल्म फेलोशिप ऑफ द रिंग 2001 में रिलीज हुई थी। इसके बाद 2002 में द टू टॉपर्स और 2003 में द रिटर्न ऑफ द किंग आयी थीं। पीटर जैक्सन निर्देशित फिल्मों की सीरीज को दुनिया की सबसे बड़ी और असरदार फिल्म सीरीजों में गिना जाता है। बॉक्स ऑफिस के साथ फिल्म सीरीज ने अवॉर्ड्स की दुनिया में भी धमाल मचाया था। लॉर्ड ऑफ द रिंग्स की कहानी एक काल्पनिग जगह मिडिल अर्थ में स्थापित है, जहां हॉबिट फ्रोडो बैगिंस रिंग को खत्म करने की यात्रा पर निकलता है। सीरीज में कई दिलचस्प किरदार और प्रजातियां जुड़ती जाती हैं। द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स की प्रीक्वल फिल्म सीरीज की तीन फिल्में द हॉबिट- एन अनएक्सपेक्टेड जर्नी, द हॉबिट- डेजोलेशन ऑफ स्मॉग और द हॉबिट- द बैटल ऑफ द फाइव आर्मीजी 2012 से 2014 तक रिलीज हुई थीं। यह फिल्म सीरीज मूल रूप से द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स के किरदार बिल्बो बैगिंस के नजरिए से दिखायी गयी थी।

'लकड़बग्घा' से बॉलीवुड में वापसी के लिए तैयार हैं मिलिंद सोमन, निभा रहे हैं ये खास किरदार

नई दिल्ली। सुपरमॉडल और बॉलीवुड अभिनेता मिलिंद सोमन अपनी फिटनेस को लेकर फैंस के बीच चर्चा में रहते हैं। एक्टर अक्सर सोशल मीडिया पर अपने वर्कआउट के दौरान की फोटोज वीडियो फैंस के साथ शेयर करते रहते हैं। अब खबरें आ रही हैं कि उन्होंने अपनी फिल्म लकड़बागा से बॉलीवुड में अपनी वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ अंशुमन झा नजर आने वाले हैं। आईएएनएस की रिपोर्ट के अनुसार, इस फिल्म में

वो एक बंगाली सामरी और एक मार्शल आर्ट विशेषज्ञ की भूमिका में नजर आने वाले हैं। जानकारी के अनुसार फिल्म की शूटिंग पिछले साल दिसंबर से कोलकाता में शुरू हुई थी। वहीं इस फिल्म के लिए अंशुमन ने पिछले छह महीने तक क्राव-मागा में ट्रेनिंग ली है। रिपोर्ट के अनुसार सोमन ने कहा, मैं लकड़बग्घा जैसी अनोखी एक्शन फिल्म का हिस्सा बनकर बेहद उत्साहित हूं। फिल्म की कहानी और किरदारों के हर पहलू को पेश करने के लिए बहुत ही असामान्य और अच्छी तरह से सोचा गया है। अभिनेता ने आगे कहा, इस फिल्म में एक मार्शल आर्ट इंस्ट्रक्टर और अंशुमन के पिता भूमिका निभा रहा हूं और शूटिंग शेड्यूल बहुत ही मश्किल था। भावुक लोगों के साथ काम करना मेरे लिए बेहद सुखद रहा। फिल्म में मैंने एक बंगाली पिता और एक मार्शल आर्ट ट्रेनर का किरदार निभाया है, ये काफी मजेदार था। वहीं, निर्देशक विक्टर मुखर्जी ने कहा, अंशुमन और मिलिंद के किरदारों के बीच संबंध फिल्म का मूल आधार है और ऐसे किरदार में हम उन्हें पहले कभी नहीं देखा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।